वैशाख शुक्ल पक्ष- 2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 283 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 अप्रैल 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
41.3 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

कानूनी दांव-पेंच और सियासी दावों के बीच महिलाओं के हक का सवाल

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए लाए गए बिल के लोकसभा में गिरने के बाद महिलाओं को उनका हक़ देने की तीन दशक से चलती कवायद एक बार फिर सियासी दांव-पेंचों के भंवरजाल में उलझ कर रह गई है। देश के संविधान को बचाने की दुहाई देती कांग्रेस और उसके साथ खड़े राजनीतिक दलों ने संवैधानिक प्रावधानों को ताक में रखते हुए इस आरक्षण को उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत बनाने का अभियान चला रखा है। दूसरी और भाजपा ने कांग्रेस और उसके सहयोगी डीएमके, समाजवादी पार्टी और ममता बनर्जी की टीएमसी को महिला विरोधी साबित करने की मुहिम तेज कर दी है। संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत वर्ष 2023 में पास 106 वे संवैधानिक संशोधन के आगे 131 वें (नारी वंदन) संविधान संशोधन प्रस्ताव को खारिज कराते हुए विपक्ष इसे अपनी जीत बनाने पर तुला है। इस बिल के गिरने पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टिप्पणियों से संभावित नुकसान की भरपाई के लिए कांग्रेस ने उनकी बहन प्रियंका गांधी को मोर्चे पर तैनात कर दिया है। लेकिन महिला आरक्षण कानून को खारिज करने के पीछे दी जा रही दलीलें संविधान के अनुच्छेद 82 की मंशा के मुताबिक नहीं है। प्रियंका गांधी का कहना है कि जातिगत जनगणना के बाद ही अनुसूचित जाति और जनजाति के साथ ओबीसी महिलाओं को उनका असली हक मिलेगा। प्रस्तावित संशोधन में 2011 की जनगणना के मुताबिक यह मुमकिन नहीं है। दूसरी तरफ कांग्रेस यह भी कह रही है कि 2023 में सर्वसम्मति से किए गए 106 वें संशोधन के मुताबिक महिला आरक्षण में उसे कोई ऐतराज नहीं हैं। संविधान के अनुच्छेद 82 के मुताबिक यह विरोधाभासी बयान है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अनुच्छेद 82 के मुताबिक प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन होना चाहिए, और उसी के आधार पर सीटों पर आरक्षण और रोटेशन की व्यवस्था शुरू होनी चाहिए। यदि प्रियंका के इसी तर्क को आधार माना जाए तो जिस 2023 के अधिनियम के आधार पर आरक्षण में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, तो फिर ओबीसी महिलाओं की बात कहाँ रह जाती है ? वैसे भी लोकसभा की मौजूदा 74 महिला सांसदों की जाति पर गौर फरमाएं तो कई महिला सांसद ऐसी हैं जो महिला आरक्षण के बगैर भी ओबीसी से आती हैं। सागर की सांसद लता वानखेड़े इसकी एक मिसाल हैं जो ओबीसी की होने बावजूद सामान्य (अनारक्षित) सीट से चुनाव जीती हैं । ऐसी कई महिला सांसद हैं।

पिछली लोकसभा के चुनावी नतीजे: वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो कुल 64 करोड़ 64 लाख 20 हजार 869 वोट पड़े थे । एनडीए और ईंडी गठबंधन के बीच 1 करोड़ 49 लाख 57हजार 501 वोटों का अंतर था। एनडीए को 43.80 प्रतिशत वोट के साथ 293 सीटें मिलीं और इंडी गठबंधन को 41.48 प्रतिशत वोट के साथ 234 जीत हासिल हुई। भाजपा ने अपने वोट प्रतिशत और सीटों की तादाद बढ़ाने के लिहाज से ही महिला आरक्षण संशोधन विधेयक की यह कवायद की थी जिसके लोकसभा में खारिज होने से उस पर विराम लग गया।

एनडीए के पास मौजूद विकल्प और अड़चनें

- नारी वंदन अधिनियम सामान्य कानून नहीं, बल्कि संविधान संशोधन है। ऐसे संशोधन अनुच्छेद 368 के तहत आते हैं, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत (दो तिहाई) जरूरी होता है। अध्यादेश की बात करें तो यह विकल्प केवल साधारण कानूनों के है, संविधान बदलने के लिए नहीं। यानी अध्यादेश वाला दरवाजा तो पूरी तरह से बंद है।
- भाजपपा शासित राज्यों में भी लागू करना संभव नहीं है। लोकसभा के साथ विधानसभाओं की सीटों का बंटवारा और आरक्षण परिसीमन के दायरे में आता है। चुनाव आयोग और परिसीमन आयोग सीधे केंद्र के विषय हैं। यानि सीधे राज्यों लागू करने का मतलब है कि संघीय ढांचे से छेड़छाड़।
- लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त सेशन भी एक तरीका होता है जिससे किसी कानून को लागू कराया जा सके। राष्ट्रपति अनुच्छेद 108 संयुक्त बैठक बुला सकते हैं। लेकिन संविधान निर्माताओं ने यहां भी एक ब्रेक लगा रखा है। संविधान संशोधन बिल पर कभी भी संयुक्त सत्र नहीं बुलाया जा सकता। इसे दोनों सदनों में अलग-अलग दो तिहाई बहुमत से पास कराना जरूरी।
- सरकार चाहे तो बिल को नए सिरे से सलेक्ट (संसद की प्रवर समिति) कमेटी को भेज दे। इससे राजनीतिक सहमति बनाने में मदद मिल सकती है और विपक्ष की आपत्तियां कम हो सकती हैं। लेकिन यह प्रक्रिया भी लंबी है जिससे तुरंत कानून बनाना संभव नहीं रहता।
- एनडीए सरकार पंचायतों में 50 फीसदी आरक्षण (अभी 33 फीसदी) को अविार्य करने के लिए सरकार पंचायती राज अधिनियम में बदलाव कर सकती है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत कानून का रूप दिया जा सकता है। महिलाओं के लिए लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम, धनराशि का आवंटन जैसे कदम उठाकर सरकार यह दिखा सकती है कि विपक्ष हमें महला समाज को मजबूत बनाने से रोक नहीं सकता।
- बीजेपी चाहे तो चुनावों में 33प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने का फैसला कर सकती है। यह कानूनी बाध्यता नहीं होगी, लेकिन राजनीतिक संदेश मजबूत जाएगा। लेकिन जीत की गारंटी इसकी राह में रोड़ा बनेगी। यह सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं हो सकता।
- यदि एक बार में 33 फीसदी का प्रावधान संभव नहीं तो चरण-दर चरण इसे 10 से 15 फीसदी आरक्षण के साथ शुरू करके धीरे-धीरे बढ़ाने का नया फॉर्मूला ला सकती है. इससे विपक्ष का विरोध कम करने की कोशिश होगी।
- देश के जिन-जिन राज्यों में बीजेपी या एनडीए की सरकारें हैं, वहां की विधानसभाओं में इस बिल के समर्थन में एक 'संकल्प प्रस्ताव' लाया जा सकता है। इसके जरिए केंद्र से आरक्षण बिल पास कराने की अपील और विपक्षी दलों की निंदा होगी। यह बड़ा पालिटकल माइंड गेम हो सकता है जो विपक्षा पर नैतिक दवाब बना सकता है।
- एक छोटा सा संशोधन बड़ा मास्टर स्ट्रोक हो सकता है। सरकार जनप्रतिनिधित्व कानू 1951में बदलाव करके इसे अंजाम दे सकती है। इसके तहत चुनाव आयोग में राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन के नियमों में एक नई शर्त जोड़ी जा सकती है- सभी राजनीतिक दलों को लोकसभा या विधानसभा में कुल टिकटों में से कम से कम 33 फीसदी टिकट महिलाओं को देना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त और उसका पंजीयन रद्द हो जाएगा। यह एक सामान्य कानून है। इसमें बदलाव के लिए संसद में साधारण बहुमत से पारित कराया जा सकता है।

बिगड़ भी सकते हैं हालात... गालिबाफ बोले - हमारे नहीं तो किसी के भी जहाज नहीं निकलने देंगे

ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं, ट्रम्प के रुख से बढ़ा तनाव

तीन दिनों में खत्म होगा युद्ध विराम नए दौर की चर्चा कब होगी तय नहीं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं हैं। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद गालिबाफ ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है। शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसे

कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अमेरिका के पास संसाधन और हथियार होने के बावजूद रणनीतिक तौर पर वह ईरान के सामने कमजोर पड़ा है। दूसरी ओर ट्रम्प ने कहा - समझौता करीब है, लेकिन डील होने तक ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी। इस बीच भारतीय जहाजों पर हमले और ईरान के साथ जारी बातचीत के बीच अमेरिका में हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार सुबह व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हाई-लेवल बैठक बुलाई, जिसमें इस संकट और संभावित समझौते पर चर्चा की गई। स्थिति इसलिए और गंभीर मानी जा रही है क्योंकि मौजूदा युद्धविराम सिर्फ तीन दिन में खत्म होने वाला है और अभी तक अमेरिका और ईरान के बीच अगली बैठक की तारीख तय नहीं हुई है। ट्रम्प ने हाल ही में दावा किया था कि समझौता 'एक-दो दिन' में हो सकता है, लेकिन जमीन पर हालात इसके उलट दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अगर जल्द कोई ठोस प्रगति नहीं हुई तो आने वाले दिनों में संघर्ष फिर भड़क सकता है। व्हाइट हाउस की इस अहम बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा सीआईए निदेशक और ज्वाइंट चीफ भी इसमें शामिल हुए।

लेबनान में 10 दिन के सीजफायर के बीच फायरिंग जारी

इसी बीच मध्य पूर्व के दूसरे मोर्चे पर भी तनाव कम नहीं हुआ है। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में 'येलो लाइन' नाम से नई सैन्य सीमा तय करने का ऐलान किया है और इस इलाके में कई हमले भी किए हैं। इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने उन लोगों को निशाना बनाया, जो युद्धविराम का उल्लंघन कर उसकी सेना के करीब आ रहे थे। साथ ही हिजबुल्लाह से जुड़े ठिकानों और एक अंडरग्राउंड सुरंग पर भी हमला किया गया। यह सब ऐसे समय पर हो रहा है जब इजरायल और लेबनान के बीच हाल ही में 10 दिन का युद्धविराम लागू हुआ है। हालांकि दोनों पक्षों के बयान साफ संकेत दे रहे हैं कि जमीन पर तनाव अभी भी बना हुआ है।

महिला आरक्षण के समर्थन में बीजेपी की आक्रोश रैली कल

सीएम बोले- विस का विशेष सत्र बुलाएंगे कांग्रेस छीन रही महिलाओं का हक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संवाददाताओं के चर्चा करते हुए महिला आरक्षण बिल को लेकर कहा कि लोकतंत्र एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है और संसद में जो घटनाक्रम हुआ, वह बेहद निंदनीय और कष्टकारी है। विपक्ष के इस रवैये के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी पूरे प्रदेश में सोमवार को आक्रोश रैली निकालेगी।

सीएम यादव ने आगे कहा कि द्रौपदी का चीरहरण तो हमने 5000 साल पहले का सुना था, लेकिन बहनों की इज्जत के साथ खेलने का घटनाक्रम संसद में जिस प्रकार हुआ, वह हमारे लिए अत्यंत निंदनीय है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह ने प्रस्तावक बनकर जो निर्णय लिया, उसमें शुरुआत से ही हर दल को सुझाव देने का अवसर दिया गया। विपक्ष ने महिला आरक्षण बिल को लेकर जो किया उसकी निंदा के लिए विस का विशेष सत्र बुलाएंगे। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, मंत्री कृष्णा गौर, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, विधायक अर्चना चिटनिस व मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद रहे।

जानापाव में परशुराम प्रकटोत्सव में शामिल हुए सीएम

इंदौर/जानापाव। डॉ. मोहन यादव आज जानापाव में आयोजित 'परशुराम प्रकटोत्सव' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महाभारतकालीन अस्त्र-शस्त्रों और चक्रव्यूह कला पर आधारित एक प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया, जो प्राचीन भारतीय युद्ध कौशल और संस्कृति को दर्शाएगी। जानापाव में 17.41 करोड़ रुपये की लागत से श्रीपरशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जाएगा। यह स्थल भगवान परशुराम और श्रीकृष्ण के जीवन, दर्शन और संदेश को आमजन तक पहुंचाने का प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बनेगा।

भोपाल से ओरछा-चंदेरी के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू

चंदेरी-ओरछा के लिए आज से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की शुरुआत हुई। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में स्टेट हैंगर से हेलिकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर सेवा का शुभारंभ किया।

सोम डिस्टलरी को लायसेंस मिलना हुआ मुश्किल

भोपाल / जबलपुर। हाईकोर्ट की डबल बेंच से सोम डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड को कोई राहत नहीं मिल सकी है। निलंबित लायसेंस को बहाल करने या नया लायसेंस देने का फैसला अब प्रदेश का आबकारी विभाग ही करेगा। इस फैसले के बाद माना जा रहा है कि चूंकि कंपनी के लायसेंस की अवधि निलंबित रहने के दौरान ही समाप्त हो चुकी है इसलिए इसका नवीनीकरण संभव नहीं हो पाएगा। जहां तक नए लायसेंस का सवाल है तो कंपनी और प्रबंधन के लोगों को फर्जी परमिट मामले में सजा हो चुकी है। ऐसे में इसी नाम और पदाधिकारयों के साथ नया लायसेंस मिलना संभव नहीं हो पाएगा। हालांकि कोर्ट ने कंपनी के पास मौजूदा स्टॉक को आबकारी विभाग के सुपरविजन में बेचने की इजाजत दी है। नया लायसेंस लेने के लिए नए नामों के साथ आवेदन की अनिवार्यता हो सकती है।

आज का कार्टून

दवा कारोबारी पिता ने 11 साल की जुड़वा बेटियों को गला रेतकर मार डाला

कानपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक दवा कारोबारी ने अपनी जुड़वा बच्चियों की गला रेतकर हत्या कर दी। त्रिमूर्ति अपार्टमेंट के अपने फ्लैट के एक कमरे उसने जब ये कांड किया तो पत्नी और बेटा बगल के कमरे में सो रहे थे। पत्नी को घटना का पता तब चला जब पुलिस ने उन्हें जगाया। दवा कारोबारी की करीब 13 साल पहले लव मैरिज हुई थी।

कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र ब्लॉक किदवईनगर इलाके में त्रिमूर्ति अपार्टमेंट फेज-2 में दवा कारोबारी अपने परिवार के साथ किराए के फ्लैट में रहते थे। रविवार को उन्होंने अपनी 11 वर्षीय जुड़वा बेटियों की गला रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद यूपी-

112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस पहुंची और दूसरे कमरे में सो रही पत्नी को जगाया। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। पुलिस की जांच में घरेलू कलह में हत्या करने की बात सामने आई है।

कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा को बड़ा झटका

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश की सियासत में एक अहम घटनाक्रम सामने आया है, जहां कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा को सर्वोच्च न्यायालय से भी बड़ा झटका लगा है। मप्र हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली अभय मिश्रा की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने वापस लेने पर खारिज कर दिया है। इससे पहले सेमरिया विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मिश्रा की वह आपत्ति मप्र हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दाखिल चुनाव याचिका को निरस्त करने की मांग की थी।

मेट्रो एंकर — हिंदू नव वर्ष 2083 में 12 की जगह 13 महीने होंगे, 17 मई से शुरू होगा अधिक मास

इस बार बन रहा है दो ज्येष्ठ वाले पुरुषोत्तम मास का दुर्लभ संयोग

भोपाल/ उज्जैन, एजेंसी

अधिकमास को हिंदू पंचांग में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पंचांग में एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है। इस बार हिंदू नव वर्ष 2083 में 12 की जगह 13 महीने होंगे। इस महीने को मलमास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। खास बात यह है कि ये अतिरिक्त महीना हर तीन साल में एक बार आता है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस बार बात सिर्फ एक अतिरिक्त महीने की नहीं है, बल्कि एक ऐसे दुर्लभ संयोग की है, जो ज्येष्ठ महीने के साथ जुड़कर इसे और खास बना रहा है। एक सामान्य और एक अधिक ज्येष्ठ। इस दौरान घर-घर में पूजा, व्रत और दान की चर्चा होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में अधिक मास 17 मई, रविवार से शुरु होकर 15 जून 2026, सोमवार तक चलेगा। इस दौरान किसी भी प्रकार के शुभ और मांगलिक कार्य करने की

मनाही होती है। इस दौरान शादी, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार और नए घर का निर्माण शुरू नहीं करने की सलाह पंडितों द्वारा दी जाती है। इस महीने नया कारोबार शुरू करने, गाड़ी या प्लॉट खरीदने से भी लोग बचते हैं। मलमास के दौरान किया गया व्रत, तप, दान और पुण्य का अन्य महीनों की तुलना में अधिक फल देने वाला माना जाता है। मान्यता है कि दीप दान करने से देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस पवित्र महीने में रोजाना दीप दान और पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्त्व बताया गया है। इस दौरान किए गए जप, तप और दान का फल सामान्य दिनों से कई गुना ज्यादा मिलता है। यही वजह है कि मंदिरों में भीड़ बढ़ जाती है और लोग अपनी क्षमता के अनुसार धार्मिक काम करने लगते हैं।

धार्मिक के साथ वैज्ञानिक नजरिया

हिंदू पंचांग चंद्र कैलेंडर पर आधारित होते हैं। सूर्य कैलेंडर में 365 दिन होते हैं, जबकि चंद्र कैलेंडर में 354 दिन होते हैं। सूर्य कैलेंडर की तुलना में चंद्र कैलेंडर में सालाना 11 दिन कम होते हैं। ऐसे में लगभग 32 महीने और 16 दिन बाद यह एक महीने के बराबर हो जाता है। सूर्य और चंद्र कैलेंडर को समान करने के लिए इसमें एक अतिरिक्त महीने को जोड़ दिया जाता है। इसे ही अधिक मास, मलमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। अगर इसे सरल तरीके से समझें तो यह पूरी तरह खगोलीय गणना का हिस्सा है। कैलेंडर हर साल 10 दिन पीछे रह जाए, तो कुछ साल बाद मौसम और महीने पूरी तरह गड़बड़ा जाएंगे। इसी गड़बड़ी को ठीक करने के लिए अधिक मास जोड़ा जाता है। यही वजह है कि इसे धार्मिक ही नहीं, वैज्ञानिक नजरिए से भी जरूरी माना जाता है।

बदहाल हालात में निशातपुरा रेलवे स्टेशन

निशातपुरा रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य काफी समय पहले पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक इसके शुभारंभ में हो रही देरी के कारण स्टेशन की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए इस आधुनिक स्टेशन की देखरेख के अभाव में यह बदहाली का शिकार बनता जा रहा है। स्टेशन परिसर में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई नजर आती है। प्लेटफॉर्म और आसपास के क्षेत्रों में गंदगी फैली हुई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जिम्मेदार विभागों द्वारा इसकी कोई सुध नहीं ली जा रही है। लंबे समय से बंद पड़े इस स्टेशन का उपयोग नहीं होने के कारण यहां असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर स्टेशन का जल्द से जल्द उद्घाटन कर इसे चालू कर दिया जाए, तो न केवल क्षेत्र के लोगों को यातायात की बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि स्टेशन की बिगड़ती स्थिति में भी सुधार आ सकेगा। वर्तमान में यह स्टेशन उपेक्षा का शिकार होकर अपनी चमक खोता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब स्टेशन पूरी तरह तैयार है, तो आखिर इसके उद्घाटन में इतनी देरी क्यों की जा रही है? जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी और लापरवाही के चलते करोड़ों की लागत से तैयार यह परियोजना अब धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होने लगी है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में इसकी मरम्मत पर फिर से लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि प्रशासन जल्द निर्णय लेकर इस स्टेशन को जनता के लिए खोलने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

राजधानी में गैस कंपनियों और खाद्य विभाग ने बदला नियम

शादी कार्ड पर नहीं, कैटरर के नाम पर मिलेगा सिलेंडर

पहले विवाह कार्यक्रम के लिए सीधे उपलब्ध करवाने के दिए थे निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिले में शादी समारोह में भोजन के लिए उपयोग होने वाले कमर्शियल सिलेंडर अब सीधे शादी के कार्ड पर नहीं मिलेंगे। इसके लिए अब कैटर्स के कनेक्शन पर ही सिलिंडरों की आपूर्ति की जाएगी। खाद्य विभाग ने व्यवस्था में बदलाव कर दिया है।

हाल ही में गैस कंपनियों ने शादी कार्ड दिखाने व 4400 रुपये जमा करने पर व्यावसायिक सिलिंडर आपूर्ति करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जब एजेंसियों पर स्टॉक की समस्या शुरू हुई और लोग परेशान हुए तो शनिवार को व्यवस्था में बदलाव कर दिया है। जानकारी के अनुसार गैस कंपनियों ने निर्देश दिए थे कि सभी एजेंसी संचालक विवाह समारोह के लिए उपभोक्ताओं द्वारा शादी का कार्ड दिखाने पर दो कमर्शियल सिलिंडर दे सकेंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं को 4400 रुपये

जमा राशि और 3700 रुपये रिफिलिंग शुल्क जमा करनी होगी। इसके बाद जब उपभोक्ता एजेंसियों पर पहुंचे तो उन्हें सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं हो सकी थी। इससे खाद्य विभाग में पत्र लिखकर सिलिंडर की मांग की थी, इस पर विभाग ने गैस एजेंसियों को पत्र लिखकर समस्या से अवगत करवाया था। इसके बाद खाद्य विभाग व कंपनियों ने मिलकर नया नियम बनाया है। सूत्रों के अनुसार अब शादी समारोह के लिए व्यावसायिक सिलिंडर एजेंसी से कैटर्स द्वारा लिए जा सकेंगे। इसके लिए शादी समारोह के लिए कैटर्स की बुकिंग करने पर वह अपने कनेक्शन पर एजेंसी पर बुकिंग करेगा। इससे खाली सिलिंडर के बदले में एजेंसी उसे तय समय पर आपूर्ति कर देंगी, जिससे लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि अब शादी कार्ड पर लोगों को नहीं बल्कि कैटर्स के कनेक्शन पर ही कमर्शियल सिलिंडर आपूर्ति की जाएगी।

कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, 2937 स्थानों पर हुई जांच में 4547 सिलिंडर जब्त

एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए की गई कार्रवाई के दौरान अब तक 2937 स्थानों पर जांच की गई, इनमें 4547 एलपीजी सिलिंडर जब्त किए गए तथा 12 मामलों में एफआइआर दर्ज कराई गई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश के 764 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें दो प्रकरण में एफआइआर दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक, अधिकारी एवं आयल कंपनी के अधिकारियों को सतत रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। मंत्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में जहां आस-पास पाइप लाइन गई है, उन क्षेत्रों की औद्योगिक इकाइयों की पहचान की जाकर पीएनजी पर शिफ्ट करने के निर्देश सीजीडी संस्थाओं को दिए गए हैं।

2026 के लिए लघुकथा शोध केंद्र अलंकरण

सूर्यकान्त नागर को माधवराव सप्रे ज्योति जैन को उपाध्याय सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा अपने प्रतिष्ठित सम्मानों की घोषणा कर दी गई है। पं. माधवराव सप्रे स्मृति लघुकथा अलंकरण वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यकांत नागर इंदौर को प्रदान किया जायेगा। पद्मश्री पं. रामनारायण उपाध्याय स्मृति सम्मान वरिष्ठ लघुकथाकार ज्योति जैन इंदौर, को दिया जाएगा।

इसके अलावा विशिष्ट हिंदी सेवी सम्मान डॉ. मिथिलेश दीक्षित लखनऊ, आचार्य जगदीश चंद्र मिश्र आलोचना सम्मान डॉ. अनीता राकेश पटना, मातुश्री धनवंती देवी स्मृति लघुकथा सम्मान सरिता बघेला, भोपाल और डॉ. उपासना सक्सेना लघुकथा प्रेरणा शोध सम्मान प्रिंस कुमार गोरखपुर को मिलेगा। पारस दासोत स्मृति लघुकथा कृति सम्मान मीरा जैन उज्जैन, विक्रम सोनी स्मृति लघुकथा कृति सम्मान डॉ. हरप्रीत सिंह राणा, पटियाला, पंजाब।

लघुकथा कृति सम्मान-2025 से सम्मानित होने वालों में डॉ. वर्षा ढोबले, वंदना गोपाल शर्मा शैली, नीना मंदिलवार, गीता चौबे गूँज, भारती पराशर , अनिल श्रीवास्तव, आरती सिंह एकता, डॉ.दीपा मनीष व्यास, डॉ. नितिन उपाध्ये, यूएई,

अर्चना त्यागी, संध्या शुक्ला मृदुल, डॉ. विद्यावती पाराशर, विजय कुमार शर्मा, मिनी मिश्रा शामिल हैं।

सभी लेखकों को आगामी 19 जून को भोपाल में आयोजित अखिल भारतीय लघुकथा सम्मेलन में यह सम्मान प्रदान किये जायेंगे।

भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा

भोपाल। भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव के अवसर पर 23 अप्रैल को राजधानी में आस्था, उत्साह और सामाजिक एकता का भव्य संगम देखने को मिलेगा। इस दिन शाम 5 बजे जवाहर चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में ही संपन्न होगी। आयोजन समिति के अनुसार पूरे मार्ग में आकर्षक सजावट, लाइट-साउंड और भव्य व्यवस्थाएं की जाएंगी, जिससे यह आयोजन शहर का केंद्र बिंदु बन जाएगा। प्रकटोत्सव को लेकर राजधानी में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कायस्थ महासभा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इसे गौरव, आस्था और सामाजिक एकता का महापर्व बताया। मंत्री सारंग ने हा, ÷चित्रगुप्त भगवान का प्रकटोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और एकजुट करने का सशक्त अवसर है।÷ उन्होंने बताया कि इस बार शोभायात्रा को और अधिक भव्य बनाने के लिए विशेष लाइटिंग, साउंड और सांस्कृतिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

शहर में निकली जागरुकता रैली

कमलापति महल से उठी विरासत की पुकार संस्कारों को सहेजने का लिया संकल्प

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व विरासत दिवस के अवसर पर ब्रह्मकुमारी द्वारा भोपाल के ऐतिहासिक कमलापति महल परिसर में प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न केवल धरोहर संरक्षण पर विचार साझा किए गए, बल्कि जन-जागरुकता के लिए विशाल रैली भी निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश का प्रसार किया।

इस अवसर पर पुरातत्व विभाग से डॉ. मनोज कुर्मी (अधीक्षक पुरातत्वविद), नीरज वर्मा (उप अधीक्षक पुरातत्वविद), चित्रंजन कुमार (सहायक अधीक्षक) एवं राजेश साहू (सूचना अधिकारी, भारतीय पुरातत्व विभाग, म.प्र.) की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मनोज कुर्मी ने कहा कि विरासत केवल इतिहास की धरोहर नहीं, बल्कि हमारी पहचान और जिम्मेदारी है। यदि हम आज सजग नहीं होंगे, तो आने वाली पीढ़ियां इस धरोहर से वंचित रह जाएंगी। उन्हों ने कमलापति महल के गौरवशाली इतिहास को विस्तार से बताते हुए कहा कि यह महल 18वीं शताब्दी में गोंड रानी कमलापति से जुड़ा हुआ है और भोपाल की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसकी स्थापत्य कला, झील के किनारे स्थित इसकी भव्यता और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे विशेष बनाती है। इस प्रकार की धरोहरों के संरक्षण के लिए समाज और प्रशासन दोनों का संयुक्त प्रयास आवश्यक है।

भारतीय सशस्त्र बल राष्ट्र सेवा व गौरवशाली भविष्य का संगम

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल एवं नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए भारतीय सशस्त्र बलों में करियर की संभावनाओं पर सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के मार्गदर्शक सिद्ध भाऊजी ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में कर्नल नारायण पारवानी उपस्थित रहे।

भाऊजी ने कहा कि सेना में करियर बनाना केवल एक आजीविका मात्र नहीं, अपितु राष्ट्र की सेवा का परम सौभाग्य है। उन्होंने इस भ्रांति को दूर किया कि सेना केवल शस्त्र उठाने तक सीमित है। सिद्ध भाऊजी ने स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों में डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और सीए जैसे विशेषज्ञों की भी अत्यधिक आवश्यकता और सम्मान है। अनुशासन और सेवा को जीवन का मूल मंत्र बनाकर छात्र अपनी प्रतिभा से मातृभूमि का कर्ज चुका सकते हैं। मुख्य वक्ता कर्नल नारायण पारवानी ने कहा कि भारतीय सेना विश्व की सबसे अनुशासित सेनाओं में से एक है, जो युवाओं को अद्वितीय नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान करती है। आज की आधुनिक सेना तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी युवाओं को व्यापक मंच उपलब्ध करा रही है। कर्नल पारवानी ने भारतीय सशस्त्र बलों में प्रविष्ट होने की प्रविधियों से छात्रों को

मेट्रो एंकर

मिल रही थीं यात्रियों की शिकायतें, तैयार हो रही है 4.5 लाख लीटर की टंकी

भोपाल स्टेशन पर अब ट्रेनों में पानी की किल्लत होगी खत्म

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गर्मी के मौसम में ट्रेनों में पानी की कमी को लेकर अक्सर यात्रियों की शिकायतें सामने आती थीं, जिससे उनका सफर काफी मुश्किल हो जाता था। लेकिन अब भोपाल रेलवे स्टेशन पर इस समस्या का स्थायी समाधान किया जा रहा है। रेलवे द्वारा यहां करीब साढ़े चार लाख लीटर क्षमता की नई पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे ट्रेनों में तेजी से पानी भरने की सुविधा मिल सकेगी। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को गर्मी में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

क्विक वाटरिंग सिस्टम से मिनटों में भरेंगे कोचः नई टंकी के साथ रेलवे क्विक वाटरिंग सिस्टम भी लागू कर रहा है। इसके जरिए अब ट्रेनों में महज 5-6 मिनट में लगभग 150 लीटर पानी भरा जा सकेगा, जबकि पहले यह काम 10-12 मिनट में सिर्फ 25-30 लीटर तक ही सीमित रहता था। यह सुविधा खासतौर पर प्लेटफार्म नंबर 3, 4 और 5 पर आने वाली ट्रेनों के लिए उपयोगी होगी। इससे पानी भरने की प्रक्रिया तेज होगी और ट्रेनों के ठहराव समय का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

जुलाई तक बनकर होगी तैयार

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस टंकी का निर्माण प्लेटफार्म नंबर 6 के पास वाटर फिल्टर क्षेत्र में किया जा रहा है और इसे जुलाई 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत से इस टंकी का निर्माण किया जा रहा है। पहले तीन टंकियों से ट्रेनों में पानी की सप्लाई की जाती थी। अब इस नई टंकी से भोपाल से चलने वाली और यहां से गुजरने वाली करीब 80 ट्रेनों में नियमित और पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। पीआरओ नवल अग्रवाल ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर बन रही 4.5 लाख लीटर की नई टंकी से ट्रेनों में अब तेजी से पानी की आपूर्ति होगी, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। क्विक वाटरिंग सिस्टम लागू होने के बाद कुछ ही मिनटों में कोच भरेंगे और पानी की कमी की समस्या लगभग खत्म हो जाएगी।

पांच राज्यों के दस लेखक और कलाकार होंगे सम्मानित

अभा सिंधी बोली साहित्य सभा का अवार्ड प्रोग्राम आज

भोपाल/नागपुर। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा का वार्षिक पुरस्कार समारोह आज नागपुर में आयोजित किया जा रहा है। इसमें संस्था द्वारा वर्ष 2024 - 25 के लिए सम्मान दिए जा रहे हैं। इस वर्ष मुंबई को तीन, दिल्ली और मप्र को दो-दो और राजस्थान एवं गुजरात को एक-एक अवार्ड मिल रहा है। इनमें साहित्य, सिंधियत, भाषा विकास, नाटक, संगीत, चित्रकला आदि के क्षेत्र में कार्य करने वाले कलमकार और कला धर्मी शामिल हैं। पुरस्कार में 50 हजार की सम्मान निधि, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाता है। सिंधी बोली साहित्य सभा , सिंधी भाषा के संरक्षण,संवर्धन के लिए कार्य करने वाली पुरानी और प्रतिष्ठित संस्था है। इस वर्ष गायन और संगीत अवॉर्ड गिरीश साधवानी मुंबई, साहित्य अवार्ड आसुदो लछवानी भोपाल, सिंधियत अवार्ड अशोक मनवानी भोपाल नाटक अवार्ड मोहन टहलियानी दिल्ली, अदीब अवार्ड रोमा जयसिंघानी मुंबई को देने का निर्णय लिया है। लेंग्वेज प्रमोशन अवार्ड किशन रतनानी कोटा,चित्रकला अवार्ड संजना रामचंदानी मुंबई और फनकार अवॉर्ड कल्पना अशोक चेलानी, बड़ौदा को दिया जाएगा।

अशोक मनवानी

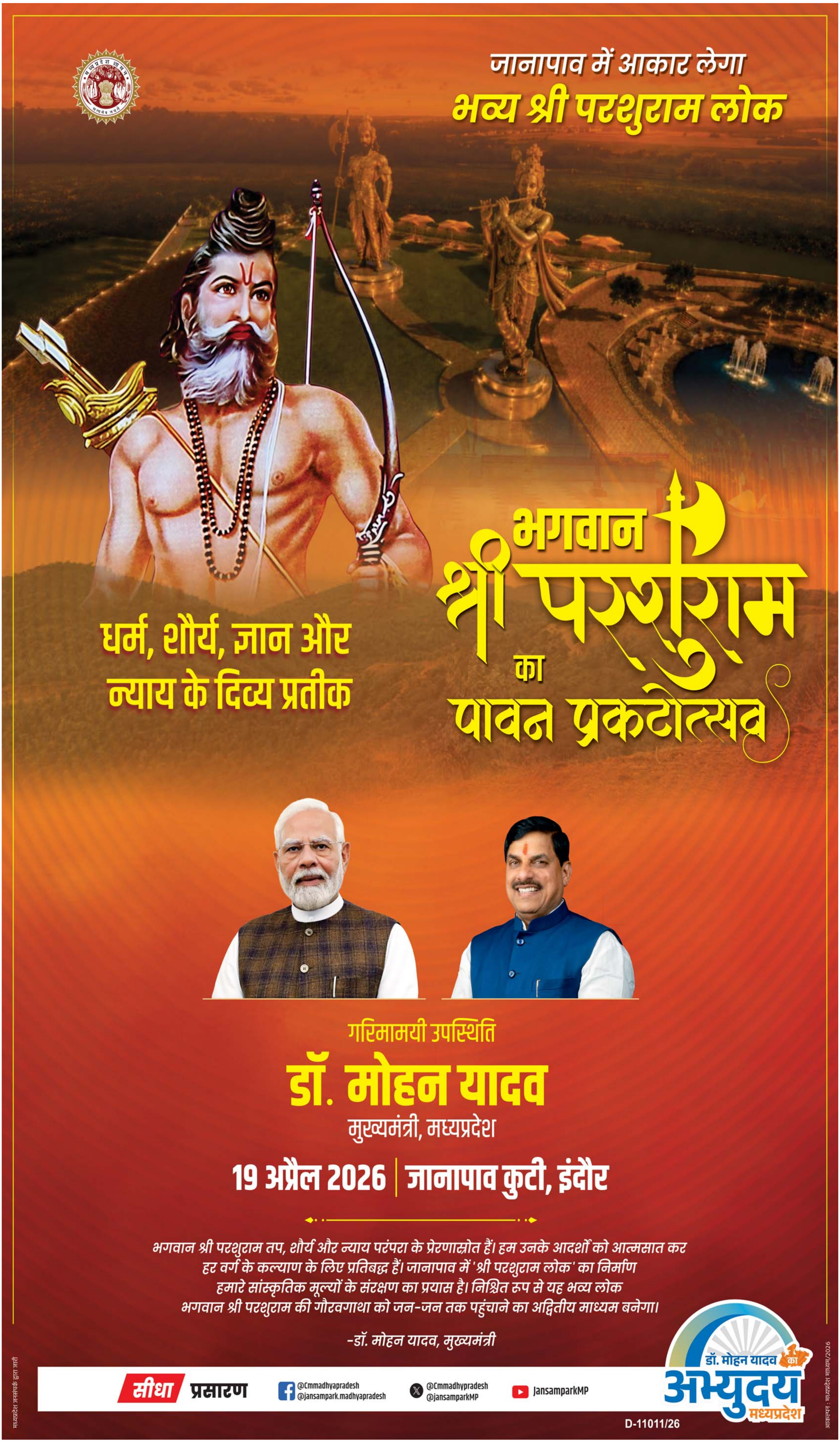
जानापाव में आकार लेगा
भव्य श्री परशुराम लोक
धर्म, शौर्य, ज्ञान और न्याय के दिव्य प्रतीक
भगवान श्री परशुराम का पावन प्रकटोत्सव
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
19 अप्रैल 2026 | जानापाव कुटी, इंदौर
भगवान श्री परशुराम तप, शौर्य और न्याय परंपरा के प्रेरणास्रोत हैं। हम उनके आदर्शों को आत्मसात कर हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। जानापाव में 'श्री परशुराम लोक' का निर्माण हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रयास है। निश्चित रूप से यह भव्य लोक भगवान श्री परशुराम की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय माध्यम बनेगा।
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
D-11011/26
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

ट्रेंडिंग सी सेक्शन

नार्मल डिलीवरी में दर्द का डर

महिलाएं खुद चुन रहीं ऑपरेशन का विकल्प

जिन महिलाओं को नॉर्मल डिलीवरी के दर्द से डर लगता है और इसी वजह से सी-सेक्शन चुनने का मन बना रही हैं, तो उनके लिए डॉक्टर की सलाह है कि यह दर्द अस्थायी होता है और इसे सही तरीके से संभाला जा सकता है। साथ ही, प्रसव के दौरान किसी अपने का साथ, हल्की-फुल्की एक्टिविटी और जरूरत पड़ने पर एपिड्यूरल जैसे विकल्प इस पूरी प्रक्रिया को काफी हद तक आसान बना सकते हैं।

ज्यादातर गायनेकोलॉजिस्ट के अनुभव में यह देखने को मिलता है कि सिजेरियन डिलीवरी को लेकर पूछताछ और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है, जबकि कई मामलों में इसकी मेडिकल जरूरत नहीं होती। इसका एक बड़ा कारण नॉर्मल डिलीवरी के दर्द का डर है। कई महिलाएं इस दर्द के डर से इतनी ज्यादा घबरा जाती हैं कि कोशिश ही नहीं करती हैं और पहले ही सिजेरियन का विकल्प चुन लेती हैं।

हालांकि, प्रसव से पहले सही काउंसलिंग, सकारात्मक जानकारी और नकारात्मक बातों से दूरी बनाकर इस डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है, जिससे महिलाएं अधिक आत्मविश्वास के साथ सही निर्णय ले पाती हैं। आइए इस विषय को विस्तार से समझते हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि आखिर सी-सेक्शन की जरूरत कब पड़ती है?

सी-सेक्शन की जरूरत कब पड़ती है?

सी-सेक्शन की जरूरत तब पड़ती है जब सामान्य प्रसव के दौरान मां या बच्चे की सेहत को खतरा हो। ऐसी स्थिति में डॉक्टर सुरक्षित डिलीवरी के लिए सी-सेक्शन की सलाह देते हैं। यह जरूरत कई कारणों से हो सकती है, जैसे भ्रूण में संकट (फीटल डिस्ट्रेस), प्लेसेंटा प्रीविया, लंबा या रुक हुआ प्रसव, ब्रीच पोजीशन, जुड़वां या मल्टीपल प्रेग्नेंसी में जटिलताएं, पहले की गर्भाशय सर्जरी, अनियंत्रित हाई ब्लड प्रेशर या डायबिटीज। ऐसी स्थितियों में सिजेरियन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मां और बच्चे की सुरक्षा के लिए लिया गया एक जरूरी मेडिकल निर्णय होता है।

नॉर्मल डिलीवरी को मानती हैं दर्दनाक

कई ऐसी हेल्दी प्रेग्नेंसीज होती हैं, जहां मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ होते हैं, फिर भी सी-सेक्शन को प्राथमिकता दी जाती है और वो भी खासकर पहली बार मां बनने वाली महिलाओं में। अक्सर इन महिलाओं को लगता है कि नॉर्मल डिलीवरी का मतलब है बेपनाह दर्द। ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि वे अपने रिश्तेदारों, दोस्तों या सोशल मीडिया से ऐसी ही दर्दभरी कहानियां सुन होती हैं।इसी वजह से एक धारणा बन जाती है कि नॉर्मल डिलीवरी बहुत दर्दनाक होती है, जबकि सिजेरियन को लोग एक आसान और पहले से तय प्रक्रिया मानते हैं। यही कारण है कि आजकल डिलीवरी से जुड़े फैसले सिर्फ मेडिकल कारणों पर नहीं, बल्कि मानसिक सोच, जानकारी और समाज के प्रभाव पर भी निर्भर करते हैं।

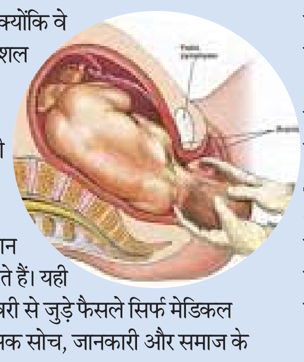

कुछ अन्य वजहें भी हैं जिम्मेदार

नॉर्मल डिलीवरी को लेकर महिलाओं के मन में सिर्फ दर्द ही नहीं, बल्कि कई और चिंताएं भी होती हैं। जैसे- लंबे समय तक चलने वाला और अनिश्चित दर्दनाक प्रसव, और गर्भ में बच्चे के साथ कुछ गलत होने का डर। कई बार परिवार के सदस्य भी इस सोच को प्रभावित करते हैं, क्योंकि वे सिजेरियन को ज्यादा सुरक्षित या आसान मानते हैं। इसके अलावा, कुछ परिवार इमरजेंसी की स्थिति से डरते हैं, इसलिए वे अनिश्चितता से बचने के लिए पहले से प्लान किया हुआ सी-सेक्शन चुन लेते हैं।

फैमिली भी कर सकती है सपोर्ट

प्रेग्नेंट महिला के मन से नॉर्मल डिलीवरी का डर कम करने में परिवार की भूमिका बेहद अहम होती है। ऐसे समय में परिवार का व्यवहार जितना सकारात्मक और सहयोगी होगा, महिला उतना ही आत्मविश्वास महसूस करेगी। परिवार के लोगों को चाहिए कि वे शांत और समझदारी से बात करें, महिला का हौसला बढ़ाएं और उसे किसी भी तरह की गलत धारणा या डर से प्रभावित न करें। साथ ही, डॉक्टर की सलाह पर भरोसा करना और उसी के अनुसार महिला को सपोर्ट देना बहुत जरूरी है। जब परिवार के सदस्य डॉक्टर की काउंसलिंग में शामिल होते हैं, तो उन्हें भी यह समझ आता है कि क्या सही है और प्रसव को कैसे सुरक्षित तरीके से संभाला जाता है।

नॉर्मल डिलीवरी की संभावना बढ़ाएं

नॉर्मल डिलीवरी की संभावना बढ़ाने के लिए गर्भावस्था के दौरान नियमित प्रसवपूर्व जांच बहुत जरूरी है। इससे मां और बच्चे दोनों की सेहत पर नजर रहती है। संतुलित और पौष्टिक आहार बच्चे के सही विकास और मां के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। स्वस्थ वजन बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ज्यादा वजन से प्रसव के दौरान जटिलताओं की संभावना बढ़ सकती है। एक्सरसाइज भी बहुत मदद करती है, खासकर जब महिला पूरी तरह स्वस्थ हो। नियमित हल्की एक्सरसाइज से शरीर मजबूत बनता है, स्ट्रेंथ बढ़ती है, स्टैमिना में सुधार होता है और फ्लेक्सिबिलिटी भी बढ़ती है, जो प्रसव के समय बहुत काम आती है। इसके लिए वॉक, प्रेग्नेंसी योग, हल्की स्ट्रेचिंग और पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज कर सकती हैं। ये सभी शरीर को डिलीवरी के लिए तैयार करने में मदद करते हैं और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर बनाती हैं। लेकिन हर गर्भावस्था अलग होती है, इसलिए कोई भी व्यायाम शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

जीवन-ज्योति

जब जुनून में सबकुछ शामिल हो जाए तो वह करुणा बन जाती है

सद्गुरु जग्गी वासुदेव
आध्यात्मिक गुरु

वह हवा जिसमें आप सांस लेते हैं, वह धरती जिस पर आप चलते हैं, वह भोजन जो आप खाते हैं और वे लोग जिन्हें आप देखते हैं और नहीं देखते हैं, आप जिस भी चीज़ के प्रति सचेतन हैं, उसके प्रति आप पूरी तरह से जुनूनी हो जाते हैं। जब आपके जुनून में सब कुछ शामिल हो जाता है तो वह करुणा बन जाती है।'

सामान्यतः करुणा को दयालुता के रूप में बताया जाता है। दयालुता तभी प्रासंगिक है जब कोई व्यक्ति किसी प्रकार की असहाय अवस्था में हो। अधिकांश मनुष्य, जब अपने पैरों पर खड़े होते हैं, तो वे अपने प्रति दयाभाव नहीं चाहते। वे स्वीकृति चाहते हैं, वे सम्मान चाहते हैं, वे प्यार पाना चाहते हैं; लेकिन वे दया नहीं चाहते। वास्तव में करुणा एक सर्वव्यापी जुनून है। जब मैं सर्वव्यापी कहता हूं, तो जुनून अनिवार्य रूप से एक विशिष्ट प्रक्रिया है। जब दो लोग जुनूनी होते हैं तो उनके लिए दुनिया गायब हो जाती है। जुनून की यही सुंदरता है कि यह विशिष्ट है, आपके जुनून में दुनिया गायब हो जाती है।

करुणा एक सर्वव्यापी जुनून है। यानी जुनून सर्वसमावेशी बन गया है। करुणा जुनून से कई गुना बड़ी होती है। करुणा दयाभाव की एक शुष्क स्थिति नहीं है, कि आप हर किसी से ऊपर खड़े हैं और सबके प्रति दयाभाव रख रहे हैं। यह सक्रिय जुड़ाव की अवस्था है जो जुनूनी है। जिस पर भी आप अपनी नजर डालते हैं, उसके प्रति आप जुनूनी हो जाते हैं। वह हवा जिसमें आप सांस लेते हैं, वह पृथ्वी जिस पर आप चलते हैं, वह भोजन जो आप खाते हैं और जिन लोगों को आप देखते हैं और नहीं देखते हैं; आप जिस भी चीज़ के प्रति सचेतन हैं, आप उसके प्रति पूरी तरह से जुनूनी हैं। जब आपके जुनून में सब कुछ शामिल हो जाता है तो वह करुणा बन जाती है। तो करुणा जुनून से रहित नहीं है, यह जुनून का एक बड़ा आयाम है।

करुणा निश्चित रूप से जुनून की क्रमिक वृद्धि नहीं है। ऐसा नहीं है कि आज आप एक व्यक्ति के साथ, कल दो के साथ, परसों दस से पच्चीस के साथ करुणामय हो सकते हैं... नहीं। जब आप मनोवैज्ञानिक अवस्था में होते हैं, तो आपके विचार और भावनाएं आपके अस्तित्वगत अनुभव से अधिक महत्वपूर्ण होती हैं। इस अवस्था में आप ज्यादा से ज्यादा केवल जुनून को ही जानेंगे। दुर्भाग्य से अधिकांश लोग जुनून को उसकी संपूर्णता में नहीं जानते। जुनून एक शानदार चीज है। अगर आपका बोध आपके मन के दायरे को पार कर जाता है, और आपका जीवन बहुत अस्तित्वगत हो जाता है, तब आप अपने अनुभव में स्पष्ट रूप से समझते हैं। एक बौद्धिक समझ के रूप में नहीं - कि जो यहां है वह एक विशाल व्यापक जीवन है और आप उसमें सिर्फ एक छोटी सी घटना हैं। तो जब आप समझते हैं कि इस विशाल व्यापक जीवन में आप बस एक छोटा सा बुलबुला हैं, और आप सोच रहे हैं कि आप एक अलग व्यक्तिगत अस्तित्व हैं, अगर आपके अनुभव में और आपकी समझ में और आपके बोध में वह वैयक्तिकता विसर्जित हो जाती है, तो करुणा होने का एक स्वाभाविक तरीका होती है। होने का कोई दूसरा तरीका नहीं होगा क्योंकि आप हर चीज़ को स्वयं की तरह अनुभव कर रहे हैं। यह जान-बूझकर अपने अंदर कोई मूल्य या नैतिकता विकसित करना नहीं है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे लेकिन घर परिवार की कुछ निजी समस्याएं उनको मानसिक कष्ट दे सकती हैं ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय इष्ट देव की साधना गुरुजनों की शरण जैसे उपाय एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य करने से मन शांत होगा।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे युवा एवं रोजगार की तलाश में जुटे बेरोजगार अपने लक्ष्य के प्रति सजगता रखें तो उनको उत्तम स्टार की सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं आगामी दिनों में आपको कुछ बड़ी सफलताएं भी मिल सकती हैं भवन भूमि संबंधी कार्यों से आर्थिक लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन : राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ आर्थिक परेशानी का अनुभव कर सकते हैं व्यापार व्यवसाय अथवा जो भी आपका कार्य क्षेत्र है उसे धनागम में कुछ बढ़ाएं उपस्थित हो सकती हैं रुका हुआ धन प्राप्त करने में विलंब एवं जहां से नियमित धन प्राप्त होता है वहां भी कुछ व्यवधान आ सकता है अतः आए और व्यय में संतुलन बनाकर आपसी सामंजस्य बिठाकर वाणी पर विशेष संयम रखकर कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: राशि के जातक आगामी सप्ताह में भ्रमण मनोरंजन मांगलिक कार्य अथवा धर्म स्थलों की यात्रा में व्यस्त रह सकते हैं आपके घर परिवार के सदस्यों और निजी लोगों के साथ उत्तम स्थान पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा घर परिवार का साथ मिलने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा व्यापार व्यवसाय करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ उत्तम स्टार का होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में संभाल कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कर्म से आपके मन में चिंता अथवा अशांति का भाव रह सकता है निकट के परिजनों की आवश्यकता एवं वर्तमान परिस्थिति जन्य कर्म से आपको कठिनाई का अनुभव होगा ऐसे समय में अपने निकट के मित्रों का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा वरिष्ठ जनों एवं अधिकारियों से सही हो प्राप्त होगा।

कन्या : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित सफलता मिलने के संकेत बने हुए हैं आपकी कार्य क्षेत्र में व्यस्त था बढ़ेगी जिम्मेदारी एवं दायित्व पूर्ण स्थान प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि आई में वृद्धि और उच्च पदस्थ व्यक्तियों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं यदि आप सामाजिक राजनीतिक एवं राजकीय कार्यों में संलग्न है तो आपका अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी आए के साधन भी बढ़ेंगे घर परिवार में सुखद और मांगलिक वातावरण निर्मित होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं आपके द्वारा विगत दिनों किए गए परिश्रम एवं सहयोग से आपके विशिष्ट कार्य संपन्न हो सकते हैं परिणाम स्वरूप मान सम्मान प्रतिष्ठा पदोन्नति जैसे कार्य संपन्न होंगे घर परिवार एवं कार्य स्थल के सहयोगियों के बीच में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में भी सावधानी की आवश्यकता बनी रहेगी आपके द्वारा किए गए कार्यों से किसी भी व्यक्ति को असंतोष उत्पन्न हो सकता है अतः अपनी वाणी और अपने कार्यों को नियंत्रित कर कर कार्य करें आर्थिक हानि भी कष्ट दे सकती है आई और व्यय में संतुलन वाणी पर नियंत्रण वाहन आदि चलाने में भी विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी हुई है।

मकर : राशि के जातक विगत दिनों की अपेक्षा इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपके घर परिवार को सुखद वातावरण मिलेगा साथी कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने से घर परिवार में मांगलिक वातावरण निर्मित होगा।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यधिक व्यस्तता का अनुभव कर सकते हैं मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी किसी नई विशेष जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत मिल रहे हैं कार्यभार की अधिकता में अपने स्वास्थ्य खान-पान एवं दिनचर्या पर संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता वाणी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को अभी भी संभाल कर रहने की आवश्यकता बनी हुई है विशेष रूप से 50 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के जातक एवं जाति कैन अपने दिनचर्या में रहन-सहन में अपने कार्यों में विशेष सावधानी रखें किसी भी कारण चोट चपेट अथवा शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है अन्य कार्यों में व्यापार व्यवसाय आर्थिक कर्म में समस्याओं का निवारण होगा।

दिया कबीरा रोय

रहिए ऐसी जगह जहां कोई न हो...

डॉ. अरुणा शास्त्री
व्यंग्यकार

'उनको देखे से जो आ जाती है चेहरे पे रौनक
वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है...'

मिजाजपुरसी का प्रचलन शायद ऐसे ही किसी बीमार शायर के इस शेर को सुनकर हुआ होगा, जिसके चेहरे पर मिजाजपुरसी के लिए आई अपनी महबूबा को देखकर रौनक आ गई होगी। पर हर मिजाजपुरसी करने आनेवाले को देखकर हर बीमार के चेहरे पर तो रौनक नहीं आ सकती! यदि आपको बीमार पड़ने का कोई अनुभव है, तो आपने महसूस किया होगा कि अपनी बीमारी से आप इतना नहीं घबराए होंगे, जितना इन मिजाजपुरसी करनेवालों से घबरा गए होंगे और घबराकर आपके मुँह से बरबस यही निकाला होगा कि, 'भगवान बचाए इन मिजाजपुरसी करनेवालों से।'

मिजाजपुरसी करनेवालों का क्या है। बस उनको आपके बीमार पड़ने की खबर मिलने की देर है कि वे परिवार और मित्रों सहित आपको देखने चले आएँगे। मानो आप बीमार नहीं पड़े हों, बल्कि एक दर्शनीय सामग्री बन गए हों, जिसे देखने हर कोई चला आ रहा हो। आते ही हर आगंतुक एक ही प्रश्न तोप दागता है, ''अब तबीयत कैसी है?''

अब उन्हें क्या बताएँ कि अगर तबीयत अच्छी होती, तो भला बिस्तर पर यों पड़े रहते? पर मन मसोसकर हर मिजाजपुरसी करनेवाले के सामने हर बार अपनी बीमारी का वही रेकॉर्ड नए सिरे से बजाना पड़ता है कि किस तरह बीमार ने दरवाज़े पर दस्तक दी, किस तरह झुरझुरी चढ़कर बुखार आया और कितने दिन हो गए बिस्तर पर पड़े हुए आदि-आदि।

इतना ही नहीं, यदि आपका एलोपैथिक इलाज चल रहा है, तो वे होमियोपैथी इलाज कराने का सुझाव देंगे और यदि होमियोपैथी इलाज चल रहा है, तो वे आयुर्वेदिक या यूनानी या प्राकृतिक चिकित्सा की सलाह देंगे। आप पशोपेश में पड़े यह समझ ही नहीं पाएँगे कि आप जो इलाज कर रहे हैं, वह सही भी है या नहीं या बिलकुल बेकार है। कहीं आप मौत के मुँह में तो नहीं धकेले जा रहे हैं? क्या मालूम अब बिस्तर से उठना हो या न हो।

ये मिजाजपुरसी करनेवाले इतने पर भी बस नहीं करते। वे मरीज़ के सिरहाने बैठे चाय की चुस्कियों का आनंद लेते हुए, यह कहकर उसे डराने से भी बाज़ नहीं आते- ''अरे, जानते हो, सुरेश के साथ भी तो ऐसा ही हुआ था। बिलकुल भला-चंगा था। बस, ऐसे ही उसको भी ज़ोरों से सर में दर्द हुआ, तेज़ी से बुखार चढ़ा और... और बेचारा दो ही दिन में दुनिया से कूच कर गया। कितना समझाया था उसे, पर वह भी आपकी ही तरह मुहल्ले के डॉक्टर से इलाज करता रहा, ''इस तरह वे दुनिया छोड़कर जानेवाले कितने ही मरीज़ों के किस्से एक के बाद एक करके सुनाते रहेंगे और ऐसी भयानक केस हिस्ट्री को सुनकर बेचारा मरीज़ स्वयं भी मौत के पास आते कदमों की आहट सुनने लग जाएगा। अब आप ही बतलाइए ऐसी मिजाजपुरसी से क्या लाभ, जो मरीज़ के लिए उसके मर्ज़ से भी ज़्यादा मुसीबत बन जाए।

इस संदर्भ में एक सज्जन का किस्सा हमेशा याद आता है- उनका एक्सीडेंट हुआ था और उन्हें तीन महीने तक प्लास्टर में बँधे बिस्तर पर पड़े रहना पड़ा था। रोज़ सुबह-शाम, रात-दिन उनके घर पर उनके नाते-रिश्तेदारों, अड़ोसी-पड़ोसियों, यार-दोस्तों का तांता-सा लगा रहता- एक जाता, दूसरा आता। दूसरा जाता, तीसरा आता। लोग सपरिवार उन्हें देखने आते। लोग इतनी दूर से उन्हें देखने, उनकी मिजाजपुरसी करने आ रहे हैं, यह सोचकर उनकी पत्नी सबका चाय-शरबत और जलपान से स्वागत अवश्य करती। अब हुआ यह कि उनकी पत्नी अतिथियों का स्वागत-सत्कार, घर के काम-काज, बच्चों की सेवा करते हुए स्वयं ही ऐसी बीमार पड़ी कि अगले एक महीने तक वह खुद भी बिस्तर से नहीं उठ सकी। और इन मिजाजपुरसी करनेवालों के स्वागत-सत्कार के कारण घर का बजट गड़बड़ाया सो अलग।

अब समझ में आता है कि गंभीर बीमारियों में डॉक्टर हवा-पानी बदलने की और पहाड़ जाने की सलाह क्यों देते हैं? शायद इसीलिए कि वहाँ कोई अपना न होगा और मिजाजपुरसी के लिए आ न सकेगा, तो रोगी अपने आप ही ठीक हो जाएगा। किसी शायर ने ठीक ही कहा है कि-

रहिए अब ऐसी जगह चलकर जहाँ कोई न हो
नोहाख्वा कोई न हो, और हमनवाँ कोई न हो।

मिथ एंड माइथोलोजी

10 साल का बच्चा खुद को कहता है राजा मानसिंह का अवतार, क्या सच में होता है पुनर्जन्म !

राजस्थान के 10 साल के एक छोटे से बच्चे की पुनर्जन्म की कहानी सुनकर हर कोई हैरान है। खुद को आमेर के शासक राजा मानसिंह प्रथम का अवतार बताकर बच्चे ने सबको आश्चर्यचकित कर दिया है। टोंक जिले के जैकमाबाद गांव के निवासी 5वीं क्लास के छात्र कान्हाराम का कहना है कि पिछले जन्म में वह आमेर के राजा मानसिंह थे। उसके परिवार का भी दावा है कि बच्चे ने पहला शब्द राजा मानसिंह ही बोला था। खुद को उच्च कुल का राजपूत मानकर सिंहासन लगाकर बैठता है। उसने आमेर के महल में छिपे हुए खजाने के साथ ही शिलादेवी मंदिर के इतिहास से जुड़ी कई गूढ़ बातें भी बताईं।

10 साल के कान्हाराम के मामले से पुनर्जन्म पर चर्चा होने लगी है। यहां धर्म और विज्ञान के बीच बहस लंबे समय से चलती रहती है। बच्चे को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह पुनर्जन्म की घटना हो भी सकती है या फिर बच्चे की कोरी कल्पना। इसके साथ ही आसपास के परिवेश से सुनी गई कहानियों का असर भी हो सकता है। क्या कोई सच में दोबारा पैदा होकर नया जन्म लेता है?

हिंदू धर्म में मृत्यु को अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत माना जाता है। जहां आधुनिक विज्ञान आज भी मौत के बाद के जीवन पर शोध कर रहा है ,वहीं हज़ारों साल पुराने हिंदू धर्मग्रंथों में 'पुनर्जन्म' के सिद्धांत को बहुत ही वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से समझाया गया है। पुनर्जन्म की अवधारणा को समझने के लिए हमें शरीर, आत्मा और कर्म के अंतर्संबंधों को जानना होगा। पुनर्जन्म का आधार यह विश्वास है कि मनुष्य का शरीर नश्वर है, लेकिन उसके भीतर वास करने वाली 'आत्मा' अमर है।

हिंदू धर्म में पुनर्जन्म का सिद्धांत केवल एक धार्मिक कहानी नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को एक नैतिक और जिम्मेदार जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यह सिखाता है कि हमारे आज के कार्य ही हमारे कल का निर्माण करेंगे। यह सिखाता है कि हमारे कष्टों या सुखों के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं है, बल्कि हमारे अपने पिछले कर्म ही वर्तमान जीवन को तय करते हैं।

न्यूज विंडो

बाबरी घाट पर अवैध रेत खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 3 मोटर बोट व पनडुब्बी जब्त

नर्मदापुरम। जिले की सिवनी मालवा तहसील के बाबरी घाट पर खनिज विभाग ने अवैध रेत खनन के खिलाफ जोरदार छापेमारी की। शनिवार शाम नर्मदा नदी के बीच धार में दबिश देकर विभाग ने 3 मोटर बोट और एक पनडुब्बी जब्त कर ली। जब्त उपकरणों को शिवपुर थाने में सुरक्षित रखा गया है, जबकि आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत वैधानिक कार्रवाई शुरू हो गई है।खनिज अधिकारी देवेश मरकाम के नेतृत्व में निरीक्षक केके परस्ते और होमगार्ड की संयुक्त टीम ने शाम 4 बजे यह दबिश दी। रेत उत्खनन और परिवहन में लगे मजदूरों को टीम आते देख फरार हो गए। नदी से भारी उपकरण किनारे लाने में टीम को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पनडुब्बी को बाबरी घाट से 10 किलोमीटर दूर शिवपुर थाने तक ट्रैक्टर पर लाने में ही 3 घंटे लग गए, जिससे टीम रात 10 बजे थाने पहुंची।कलेक्टर सोमेश मिश्रा के सख्त निर्देशों पर जिले में अवैध खनन पर लगातार नकेल कसी जा रही है। पुलिस अभिरक्षा में रखे गए वाहनों पर आगे की कार्रवाई जारी है। यह छापेमारी नर्मदा तट पर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भीषण गर्मी में बेजुबानों की प्यास बुझाने आगे आई पंचतत्व समिति

गंजबासौदा। बढ़ते तापमान और आगामी भीषण गर्मी को देखते हुए पंचतत्व संरक्षण समिति ने मूक पशु-पक्षियों की सेवा का सराहनीय अभियान शुरू किया है। समिति द्वारा नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पशुओं के लिए पानी की हौदियां रखी जा रही हैं, वहीं पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरे निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। समिति सदस्यों ने बताया कि यह सेवा कार्य पिछले कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है। गर्मी के दिनों में पानी के अभाव में बेजुबान पशु-पक्षियों को राहत मिले और कोई भी जीव प्यासा न रहे, इसी उद्देश्य से यह पुण्य कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में समिति द्वारा राधाकृष्ण पुरम कॉलोनी में दो हौदियां रखी गईं, जिनमें नियमित रूप से पानी भरने की जिम्मेदारी समिति सदस्य अनिता जगदीप सिंह राजपूत एवं पूजा प्रशांत शर्मा ने ली है। समिति ने आमजन से भी अपील की है कि वे अपने घरों की छतों, आंगन और दरवाजों पर पक्षियों एवं जानवरों के लिए पानी रखें, ताकि इस भीषण गर्मी में जीव-जंतु राहत पा सकें। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, अनीता सिंह, भूपेंद्र ठाकुर, रोहित यादव सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित रहे।

घर में बरसी का कार्यक्रम था, महिलाएं और बच्चे तालाब पर नहाने गई थीं तभी हादसा हुआ

जिस तालाब में एक साल पहले भाई डूबा बरसी पर उसी में डूबीं दो चचेरी बहनें, मौत

सतना। दोपहर मेट्रो

मैहर जिले में गत दिवस को एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां कोतवाली इलाके में स्थित पटेहरा तालाब में शनिवार को हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। जिस तालाब में डूबने से एक भाई की एक साल पहले मौत हुई थी उसी तालाब में भाई की बरसी के दिन ही दो चचेरी बहनों की डूबने से मौत हो गई। जबकि दो अन्य बहनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक ही परिवार में एक साल के भीतर तीसरी मौत से घर में मातम पसरा हुआ है।

शनिवार को चौधरी परिवार के घर पर बरसी का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान महिलाएं और बच्चियां तालाब पर दाल धोने और नहाने के लिए गई थीं। नहाते समय एक बच्ची का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य भी तालाब में कूद गईं और डूबने लगीं। बच्चियों को तालाब में डूबता देख लोगों ने तुरंत बच्चियों को बचाने का काम शुरू किया और चारों बच्चियों को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और दो बच्चियों की मौत हो चुकी थी। हादसे में पूनम चौधरी 10 वर्ष पिता मुकेश और आंचल चौधरी 20 वर्ष पिता रामसजीवन की मौत हो गई। दोनों चचेरी बहनें थीं। वहीं, शालू चौधरी 21 वर्ष और अभिषेक चौधरी 11 वर्ष को सुरक्षित निकालकर सिविल अस्पताल मैहर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

पहले भी इसी तालाब में डूबा था भाई

पुलिस के अनुसार, मृतिका आंचल चौधरी के भाई की भी एक वर्ष पूर्व इसी पटेहरा तालाब में डूबने से मौत हुई थी। शनिवार को उसी भाई की बरसी थी और कार्यक्रम घर में चल रहा था। भाई की बरसी के ही दिन दो चचेरी बहनों की तालाब में डूबने से मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम दिव्या पटेल, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान और कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने मृत बच्चियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आरबीसी 6-4 के तहत मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है।

डिंडौरी में नर्मदा नदी के आसपास चला सफाई अभियान

350 व्यापारियों को प्रशासन ने थमाया नोटिस

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

डिंडौरी में नर्मदा नदी और शहर की सफाई के लिए अभियान चलाया गया है। इस दौरान जिला प्रशासन ने मुख्य मार्ग पर कचरा फेंकने और अतिक्रमण करने वाले 350 व्यापारियों को नोटिस जारी किया है। रविवार सुबह जिला प्रशासन, नगर पालिका अमले और स्वयंसेवियों ने पुल के नीचे नर्मदा नदी में सफाई अभियान चलाया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने स्वयं फावड़ा चलाकर अभियान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर भदौरिया ने कहा कि नर्मदा की धारा स्वच्छ और अविरल बनी रहे। उन्होंने लोगों से नदी में कचरा न फेंकने और सफाई अभियान में सहयोग करने की अपील की है।

तिरला पुलिस ने की कार्रवाई

खेत में चल रहे जुए पर पुलिस का छापा, हजारों की नकदी जब्त, छह आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के तिरला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बोधवाड़ा में पुलिस ने एक कार्रवाई करते हुए जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक खेत में दबिश देकर जुआ खेल रहे 6 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मौके से पुलिस ने हजारों रुपये की नगदी और ताश की गड्डियां भी बरामद की हैं। तिरला थाना प्रभारी ज्योति पटेल ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बोधवाड़ा के एक खेत में जुए की टेबल संचालित की जा रही है और वहां कई लोग जमा हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की और मौके पर दबिश दी। पुलिस ने घेराबंदी कर जुआ खेल रहे अर्जुन बासोड निवासी शास्त्री कॉलोनी धार, भारत पंवार निवासी कुमड़ाबाखल चौपाटी धार, दिपेश भोई निवासी बख्ताम्बर कॉलोनी, दिलीप जोशीनिवासी छोटा आश्रम के पास मुकेश जैन निवासी सादलपुर, मुन्नालाल जैननिवासी जय प्रकाश मार्ग, कुम्हारगड्डा, धार को गिरफ्तार किया है।

तिरला थाना प्रभारी ज्योति पटेल ने बताया कि आरोपियों के पास से मौके पर ताश के पत्तों के साथ 31 हजार रुपये की नगदी जब्त की गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध 13 जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी रहेगा। मुखबिर की सूचना पर बोधवाड़ा में दबिश देकर 6 जुआरियों को पकड़ा गया है। मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई से मची खलबली: यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद बवाल, पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की

प्रदेश उपाध्यक्ष सहित 50 कांग्रेसियों पर एफआईआर, होगी गिरफ्तारी

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना प्रस्तावित है। इससे तीन राज्यों के लोगों को लाभ मिलेगा। इधर केन-बेतवा लिंक परियोजना का विरोध भी किया जा रहा है। परियोजना के प्रभावित अपनी मांगों के समर्थन में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार को ऐसे ही एक प्रदर्शन के दौरान जोरदार विवाद हो गया। इस मामले में शनिवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। यूथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सहित उनके 50 समर्थकों, कार्यकर्ताओं एफआइआर दर्ज कर ली। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ये कार्रवाई की गई है। प्रदर्शनकारियों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और सरकारी कर्मचारियों से अभद्रता का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही है। कांग्रेसियों पर केस दर्ज करने पर सियासत गरमा उठी है।

बमीठा थाना में यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार सहित 50 कार्यकर्ताओं, समर्थकों पर मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि कांग्रेसियों के प्रदर्शन के दौरान पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी कांग्रेस नेत्री निधि चतुर्वेदी भी उपस्थित थीं। बमीठा टीआई बाल्मीक चौबे के मुताबिक आरोपियों पर धारा 223, 132, 191(2), 190 बीएनएस 3(1) लगाई गई हैं। लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के तहत भी केस पंजीबद्ध किया गया है। टीआई बाल्मीक चौबे के अनुसार पन्ना टाइगर रिजर्व के वन परिक्षेत्र अधिकारी (चंद्रनगर) राजेंद्र कुमार सोलंकी की शिकायत पर ये केस दर्ज किया गया है। उनका आरोप है कि यूथ कांग्रेस नेता अभिषेक परमार के साथ 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने भूसोर गेट पर कर्मचारियों के साथ अभद्रता की और सरकारी संपत्ति को नुकसान भी पहुंचाया। केन-बेतवा लिंक परियोजना के प्रभावितों के प्रदर्शन के दौरान हुए विवाद में वन अधिकारी की शिकायत के बाद बमीठा थाना पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार सहित 50 से अधिक लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है।

वन विभाग के भुसौर गेट को तोड़कर प्रदर्शनकारियों ने अंदर प्रवेश किया

बमीठा थाने में रेंजर राजेन्द्र कुमार सोलंकी द्वारा दर्ज कराई शिकायत के अनुसार वन विभाग के भुसौर गेट को तोड़कर प्रदर्शनकारियों ने अंदर प्रवेश किया। वहां काम कर रहे कर्मचारियों के कार्य में बाधा डालते हुए अभद्रता की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अब तक आरोपियों में से 20-25 लोगों की पहचान की जा चुकी है। जल्द ही सभी की गिरफ्तारी की जाएगी।

ये है मामला: परियोजना स्थल पर आंदोलन चल रहा है। शुक्रवार को अभिषेक सिंह परमार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंचे। चंद्रनगर वन परिक्षेत्र के गेट पर तैनात वन विभाग के कर्मचारियों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई और कांग्रेस नेताओं की वन कर्मचारियों के साथ तीखी बहस हुई। विवाद इतना बढ़ा कि परमार ने अपनी कार से नीचे उतरकर समर्थकों के साथ गेट को तोड़ दिया और अंदर प्रवेश कर लिया।

बदमाश के आतंक से परेशान रहवासियों ने की शिकायत

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के गोरखपुर थाना क्षेत्र स्थित नर्मदा एवेन्यू अपार्टमेंट में रहने वाले 50 से अधिक परिवार एक बदमाश और उसके साथियों की हरकतों से परेशान हैं। रहवासियों के अनुसार, गोरखपुर निवासी शैवाल नायक उर्फ बमबम आए दिन रात में अपार्टमेंट में आकर गाली-गलौज करता है। रहवासियों ने एसपी और एएसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। लोगों ने आरोपियों के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे हैं।

मेट्रो एंकर | बिगड़ी लाइफस्टाइल से अशोकनगर के हजारों लोग नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर की जद में

जाम हो रहा 'शरीर का इंजन', 70 हजार लोगों की बढ़ी मुश्किलें

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

हमारे शरीर का सबसे मेहनती अंग लिवर, एक ऐसी मशीनरी है जो बिना रुके शरीर के भीतर दो लाख से ज्यादा रासायनिक प्रक्रियाओं को अंजाम देती है। विशेषज्ञ अक्सर इसे शरीर का इंजन कहते हैं लेकिन क्या आप इसकी सर्विसिंग कर रहे हैं? जिले में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जो बताते हैं कि अब लिवर खराब होने के लिए सिर्फ शराब ही दोषी नहीं है, बल्कि आपकी थाली में सजा मैदा, चीनी और घंटों कुर्सी पर बैठे रहने की आदत लिवर के इर्द-गिर्द चर्बी का जाल बुन रही है। अक्सर माना जाता है कि लिवर सिर्फ शराब पीने वालों का खराब होता है, लेकिन एनसीडी के आंकड़ों ने इस भ्रम को तोड़ दिया है। जिले के नोडल अधिकारी डॉ. सीपी यादव के अनुसार, पिछले साल स्वस्थ यकृत मिशन के तहत हुई जांच में जिले के 70 हजार लोगों में मोटापा, बढ़ी हुई कमर और अनियंत्रित बीएमआई पाया गया। ये सभी लोग नॉन- अल्कोहॉलिक फैटी लिवर के संभावित मरीज हैं। यानी शराब छुए बिना भी इनका लिवर खतरे में है, शरीर का इंजन कभी भी जाम हो सकता है। जानलेवा लिवर की बीमारी दबे पांव आती है। अगर आप इन संकेतों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। डॉक्टरों के मुताबिक भरपूर नींद के बाद भी थकान का अहसास, भूख कम लगना या पेट के ऊपरी हिस्से में भारीपन, रात में नींद न आना और दिन भर आलस बने रहना। इन संकेतों को यदि पहचान कर समय पर दिनचर्या और खान-पान सुधार लिया जाए, तो लिवर में खुद को रिपेयर करने की गजब की क्षमता होती है।

खाने में इनको न कहें

चीनी, मैदा और अधिक नमक।
कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेट बंद जूस।
ज्यादा तेल मसाले, बाहर का खाना।
स्मोकिंग और एल्कोहल।

लिवर फ्रेंडली थाली में ये अपनाएं

हरी सब्जियां, लहसुन और हल्दी।
चकोतरा और मौसमी फल।
सरसों का तेल, नींबू पानी।
ब्लैक कॉफी और ग्रीन टी।

5 मिनट का जादुई फॉर्मूला और परफेक्ट वेट गणित

एक्सपर्ट के मुताबिक लिवर को डिटॉक्स करने के लिए जिम जाना जरूरी नहीं है। रोजाना केवल 5-10 मिनट कपालभाति या मंडूकासन करने से लिवर की कार्यक्षमता बढ़ती है। आपका वजन ज्यादा तो यह नहीं, यह जानने अपनी लंबाई (सेमी में) में से 100 घटा दें। जो संख्या आएगी, वही आपका आदर्श वजन किलोग्राम में होना चाहिए। इसलिए वजन घटाएं।

एक्सपर्ट व्यू -डॉ.सीपी यादव, नोडल अधिकारी एनसीडी

फैटी लिवर से ही लिवर की समस्या शुरू होती है। पहले माना जाता था कि फैटी लिवर सिर्फ शराब के सेवन से होता है, लेकिन अब शराब न पीने वाले लोगों में भी फैटी लिवर हो रहा है। खान-पान और दिनचर्या में सुधार करें तो लिवर एक ऐसा अंग है जिसकी रिपेयरिंग क्षमता बहुत मजबूत है। सही खान-पान और सक्रिय जीवनशैली ही इस इंजन को सीजन होने से बचा सकती है। रोज करीब 30 मिनट एक्सरसाइज करें या फिर सप्ताह में कम से कम 150 मिनट एक्सरसाइज जरूरी है।

यह भी खास

- यदि पुरुष की कमर 94-102 सेमी व महिला की कमर 80-88 सेमी से अधिक है, तो फैटी लिवर का जोखिम 90 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।
- यदि बॉडी मॉस इंडेक्स (बीएमआइ) 25 से अधिक और फिव-4 स्कोर वेल्यु 1.4 से अधिक है तो फैटी लिवर हो सकता है।
- हमारे घर में मौजूद रिफाइंड तेल, मैदा व डिब्बाबंद भोजन लिवर के सबसे बड़े दुश्मन हैं। कुछ छोटे बदलाव इस इंजन को फिर नया बना सकते हैं।
- बाहर का भोजन बंद करना है, क्योंकि जो तेल घंटों तक उबलता है, वह शरीर के लिए नुकसान पहुंचाता है और इसी से बीमारियां जन्म लेती हैं।

भोजशाला विवाद : भोजशाला से संबंधित एक सिविल सूट पहले से ही धार जिला कोर्ट में लंबित, मुस्लिम पक्ष ने रखे तीन अहम तर्क

मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में दायर किया नया सिविल सूट, कल होगी अहम सुनवाई

इंदौर। दोपहर मेट्रो

धार की ऐतिहासिक भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में एक नया मोड़ आ गया है। इंदौर हाईकोर्ट में जारी नियमित सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से तीन व्यक्तियों ने एक नया सिविल सूट यानि दीवानी वाद दायर किया है। शनिवार को जस्टिस की डबल बेंच के समक्ष इस याचिका पर प्रारंभिक बहस हुई, लेकिन समय की कमी के चलते कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी अब न्यायालय इस मामले पर सोमवार को पुनः सुनवाई करेगा। मुस्लिम पक्ष की ओर से कमाल मौला मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता अशहर वारसी ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट के सामने याचिका के माध्यम से तीन प्रमुख पहलुओं रखा। टाइटल भूमि का मालिकाना हक परिसर की भूमि के वास्तविक स्वामित्व पर दावा, वर्तमान और ऐतिहासिक कब्जे की स्थिति के साथ परिसर में इबादत और अन्य धार्मिक क्रियाकलापों के संवैधानिक व कानूनी अधिकार है। एडवोकेट वारसी ने कोर्ट में मेंटेनेबिलिटी पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिविल सूट कानूनी रूप से सुनवाई योग्य क्यों है, जो कि किसी भी नए वाद की स्वीकार्यता के लिए प्राथमिक चरण होता है।

सोमवार को अहम सुनवाई

अधिवक्ता पूर्वी असाटी के अनुसार, शनिवार को सुनवाई के लिए निर्धारित समय समाप्त हो गया था, जबकि कई तकनीकी और कानूनी बिंदुओं पर विस्तृत बहस होना अभी शेष है। सोमवार को होने वाली अगली सुनवाई में मुस्लिम पक्ष इस बात पर तर्क देगा कि इस नए सिविल सूट की आवश्यकता क्यों पड़ी और इसके पीछे के कानूनी व धार्मिक आधार क्या हैं।

जिला अदालत बनाम हाईकोर्ट

आमतौर पर भूमि विवाद से जुड़े सिविल मामलों की सुनवाई का प्राथमिक अधिकार जिला न्यायालय को होता है। भोजशाला से संबंधित एक सिविल सूट पहले से ही धार जिला कोर्ट में लंबित है, जिस पर 10 मई को सुनवाई होनी है। ऐसे में हाईकोर्ट में दायर इस नए सूट और जिला अदालत में लंबित मामले के बीच कानूनी तालमेल और अधिकार क्षेत्र को लेकर भी आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होगी।

न्यूज विंडो

मातृ-शिशु स्वास्थ्य और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर दिया जोर

धार। तिसगांव में महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार, तिसगांव सेक्टर के अंतर्गत ग्राम उमरिया बड़ा के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-1 में आठवें पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत ग्रामीण महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यवेक्षक मधु भोरवे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राजू सोलंकी और सहायिका बसंती परमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों और कार्यकर्ताओं ने समुदाय के साथ विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा में बताया कि गर्भवती महिलाओं की विशेष देखरेख और धात्री माताओं के आहार पर जोर दिया गया।0 से 3 वर्ष तक के बच्चों के प्रारंभिक विकास की बारीकियों को समझाया गया। 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी में खेल-खेल में शिक्षा देने के महत्व को रेखांकित किया गया। र्तमान समय में बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम मोबाइल/टीवी को कम करने में परिवार की भूमिका पर चर्चा हुई। आंगनबाड़ी केंद्रों के सौंदर्यीकरण और केंद्र के संचालन में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। पर्यवेक्षक श्रीमती मधु भोरवे ने बताया कि इस पोषण पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य सुपोषित महिला, सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की नींव को मजबूत करना है। जब महिलाएं और बच्चे स्वस्थ रहेंगे, तभी समाज का भविष्य सुरक्षित होगा। ग्रामीण महिलाओं ने भी इस दौरान पोषण शपथ ली और अपने परिवार के खान-पान में सुधार करने का संकल्प व्यक्त किया।

6 वर्षीय मासूम से हैवानियत, 25 दिन बाद खुला दुष्कर्म की वारदात का राज

धार। कुक्षी में 28 वर्षीय युवक ने 6 साल की मासूम बालिका से दुष्कर्म किया है, आरोपी ने बच्ची को डरा, धमकाकर किसी को बताने से मना किया था, जिससे कई दिन बीत जाने के बाद भी मासूम अपने साथ हुए कृत्य को बता नही पाई। 25 दिन मासूम ने पुरी आपबीती परिजनों को बताई जिसके बाद परिजन धार महिला थाने पर पहुंचा और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 23 मार्च की शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच की है। आरोपी लाखन उर्फ सुनील सिसोदिया निवासी जबरन कॉलोनी, कुक्षी ने बालिका को बहला-फुसलाकर छत पर ले गया। वहाँ आरोपी ने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी ने बच्ची को जान से मारने की धमकी दी, जिसके कारण वह सहम गई और उसने घर पर कुछ नहीं बताया। घटना के करीब 25 दिन बाद, बच्ची ने हिम्मत जुटाकर अपने परिजनों को आपबीती सुनाई। जैसे ही माता-पिता को इस हैवानियत का पता चला, वे दंग रह गए। मामला संज्ञान में आते ही परिजनों ने तत्काल महिला थाना धार में शिकायत दर्ज कराई। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक क्लेर डामोर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता सहित पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

डकैती के मास्टरमाइंड के पास मिलीं ऐसी चीजें देखकर उड़ गए सबके होश

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डकैती के आरोपी कमलेश कुमार के पास से 15.72 लाख रुपए व 61 ग्राम सोना बरामद

सिंगरौली। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में दिनदहाड़े हुई करोड़ों की बैंक डकैती के बाद अलर्ट मोड पर आई पुलिस ने अबतक बड़ी कार्रवाई करते हुए डकैती के मा्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है। आरपीएफ पंडित दीनदयाल उपाध्याय गया रेलखंड के डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन पर स्पेशल टीम ने डकैती के मास्टरमाइंड को 15 लाख 72 हजार रुपए नगद और 61 ग्राम सोने के साथ गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि, डकैती के मास्टरमाइंड की पहचान कमलेश कुमार के रूप में हुई है। वो नालंदा जिले के हिलसा थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले ग्वाल बिगहा का रहने वाला है। इस बैंक डकैती में पांच आरोपी शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर बैंक ऑप महाराष्ट्र की शाखा से करीब 15 करोड़ रुपए कीमत का सोना और 20 लाख रुपए से अधिक की नकद राशि हथियारों के दम पर लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कमलेश कुमार के पास से 15 लाख 72 हजार रुपए और 61 ग्राम सोना बरामद किया गया है। बरामद सोने की कीमत करीब 9 लाख रुपए से ज्यादा आंकी जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लूट के बाद अपने हिस्से का पैसा और सोना लेकर पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस ट्रेन से अपने गांव ग्वाल बिगहा लौट रहा था, तभी डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान जब आरोपी के साथ सख्ती बरती गई तो उसने बैंक ऑफ महाराष्ट्र में की डकैती में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर सिंगरौली के लिए लाया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि, सिंगरौली के बैढ़न इलाके में स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखा में शुक्रवार को पांच हथियारबंद बदमाशों ने महज 15 से 20 मिनट के भीतर करीब 15 करोड़ का सोना और 20 लाख रुपए नकद की डकैती की वारदात को कट्टे की नोक पर अंजाम दिया था। बैंक में मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि, पहले दो बदमाश बैंक में दाखिल हुए थे, कुछ देर बाद तीन और अंदर आ गए। तीन के पास पिस्टल और दो के पास कट्टा था। उन्होंने आते ही ग्राहकों और कर्मचारियों को हथियार दिखाकर काबू में कर लिया और सभी के मोबाइल फोन एक जगह रखवा दिए थे। विरोध करने पर हवाई फायर तो किया ही, बैंक मैनेजर के साथ मारपीट भी की थी। लूट की वारदात को अंजाम देकर पांचों बदमाश दो बाइकों पर सवार होकर फरार हो गए।

शहडोल में अवैध कोयला उत्खनन का खेल भोपाल कनेक्शन पर सवाल

बुढार में कार्रवाई के बावजूद भी सैकड़ों गड्ढों पर नहीं पड़ी नजर

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध कोयला उत्खनन और परिवहन का मामला फिर चर्चा में है। स्थानीय स्तर पर उठ रहे सवाल अब कथित भोपाल कनेक्शन की ओर इशारा कर रहे हैं। आरोप है कि एक प्रभावशाली आका के संरक्षण में यह नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसके चलते प्रशासन मौन बना हुआ है। हाल ही में बुढार थाना क्षेत्र में जेसीबी और डंपर पर कार्रवाई हुई, लेकिन इसने नए सवाल खड़े कर दिए। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस क्षेत्र में वाहन पकड़े गए वहां लंबे समय से बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन हो रहा है। जमीन पर बने सैकड़ों गड्ढे इस बात के संकेत हैं कि गतिविधि लगातार और संगठित रूप से जारी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन को यह पहले दिखाई नहीं दिया, या जानबूझकर अनदेखी की गई। आरोप यह भी है कि जब भी इस तरह की खबरें सामने आती हैं, तब केवल खानापूर्ति वाली कार्रवाई कर मामला शांत कर दिया जाता है। छोटी जब्ती दिखाकर बड़े नेटवर्क पर ठोस कार्रवाई नहीं होती और कुछ समय बाद फिर वही गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। अवैध कोयला उत्खनन में स्थानीय कर्मचारियों के नाम सामने आ रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या कार्रवाई केवल निचले स्तर तक सीमित रहेगी, जबकि कथित भोपाल कनेक्शन अब भी जांच से बाहर है।

भोपाल का आका कौन?

सूत्रों के अनुसार शहडोल में अवैध कोयला उत्खनन और परिवहन के पीछे भोपाल आका की भूमिका सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि उसके संरक्षण में नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिससे स्थानीय कार्रवाई सीमित रह जाती है और सख्त कदम उठाने में प्रशासन पर दबाव बना रहता है।

आका के मैनेजमेंट में पक्ष विपक्ष दोनों मौन

सूत्रों के अनुसार कथित भोपाल आका ने पक्ष और विपक्ष दोनों को साध रखा है, जिससे कार्रवाई प्रभावित हो रही है। इसी कारण अवैध कोयला उत्खनन पर ठोस कदम नहीं उठ पा रहे।

आबकारी विभाग के तेज रफ्तार वाहन ने आगे चल रही कार को मारी टक्कर

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के वारासिवनी में रविवार सुबह आबकारी विभाग के एक तेज रफ्तार वाहन ने आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। जिससे वाहन करीब 70 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे में सरकारी वाहन के चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक मासूम सहित परिवार के तीन लोग घायल हैं। हादसा सीएम राइज स्कूल के सामने हुआ। पुलिस के अनुसार, मलाजखंड निवासी धर्मवीर गौतम अपनी पत्नी मेघा और 3 वर्षीय बेटे रुद्रांश के साथ कार से वर्धा जा रहे थे। स्कूल के पास स्थित ब्रेकर पर धर्मवीर ने जैसे ही अपनी कार धीमी की, पीछे से आ रहे आबकारी विभाग के वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मृतक चालक का शव वाहन से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

मेट्रो एंकर — **गर्मी से बेहाल लोग, लेकिन शादी सीजन ने बाजारों में भरी रौनक**

अक्षय तृतीया से पहले तेंदूखेड़ा में खरीदारी का जोर, बसों में बढ़ी भीड़

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

भीषण गर्मी के बीच नगर में इन दिनों शादी-विवाह का सीजन पूरे जोर पर है। तापमान लगातार बढ़ने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है और लोग गर्मी से बेहाल नजर आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद बाजारों में रौनक कम नहीं हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए तेंदूखेड़ा पहुंच रहे हैं, जिससे नगर के प्रमुख बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

गर्मी से बचने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के लोग सुबह से ही बाजारों में पहुंच जाते हैं और दोपहर 12 बजे से पहले कपड़ा दुकानों, चाय की दुकानों और आभूषण की दुकानों में बैठकर खरीदारी करते हैं। इसके बाद करीब चार से पांच घंटे तक लोग दुकानों के अंदर ही समय बिताते हैं और शाम को तापमान कम होने पर बाहर निकलते हैं। इस दौरान दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है, जबकि शाम होते ही बाजारों में फिर से चहल-पहल

बढ़ जाती है।

शादी-विवाह के चलते बसों में भी इन दिनों भारी भीड़ देखी जा रही है। यात्रियों की संख्या बढ़ने से परिवहन व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। बस स्टैंड पर भी दिनभर अच्छी-खासी भीड़ बनी रहती है। कई बसें क्षमता से अधिक भरी हुई चल रही हैं, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नगर के कपड़ा बाजार, ज्वेलरी दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों पर ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ रही है। खासतौर पर दहेज से जुड़े सामान जैसे कपड़े, बर्तन, फर्नीचर और स्वर्ण आभूषणों की बिक्री में तेजी आई है। दुकानदारों के अनुसार इस समय बिक्री अपने चरम पर है और ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक मंगवाया जा रहा है। टेंट हाउस और विवाह से जुड़े अन्य व्यवसायों में भी खासा व्यस्तता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, टेंट हाउस संचालकों की बुकिंग दो माह पहले से ही फुल चल रही है। आगामी 20 तारीख को अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर विवाह के लिए विशेष शुभ मुहूर्त है, जिस दिन बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होने की संभावना है। कुल मिलाकर, भीषण गर्मी के बावजूद तेंदूखेड़ा में शादी-विवाह के सीजन ने आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान की है और बाजारों में लगातार रौनक बनी हुई है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री भरत सिंह ठाकुर, निवासी हाउस नं. 28, जे. पी. कॉलोनी, सेंट पॉल रोड के पास, आनंद नगर, भोपाल की ओर से उनके निर्देशानुसार में यह जाहिर सूचना प्रकाशित की जा रही है। मेरे पक्षकार श्री भरत सिंह ठाकुर द्वारा पूरे होश हवाश में बिना किसी दवाब के स्वतंत्र मस्तिष्क से यह घोषणा की जा रही है कि वह अपनी पुत्री अभिलाषा ठाकुर की हठधर्मिता, मनमर्जी तथा परिवार एवं समाज की मान प्रतिष्ठा को धूमिल करने के कारण उसको आज दिनांक 19 अप्रैल 2026 से अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहे हैं । आज दिनांक से अभिलाषा ठाकुर का मेरे पक्षकार तथा उनके परिवार के किसी भी सदस्य, उनकी संपत्ति एवं घर से कोई संबंध एवं अधिकार नहीं रहेगा तथा आज दिनांक से अभिलाषा ठाकुर के किसी भी कार्य या लेन-देन के लिए मेरे पक्षकार एवं उनका परिवार उत्तरदायी नहीं रहेगा। आज दिनांक के बाद अभिलाषा ठाकुर से मेरे पक्षकार से सभी संबंध समाप्त माने जाएंगे। अतः यह जाहिर सूचना जारी की गई ताकि वक्त जरूरत काम आवे।

दिनांक: 19 अप्रैल 2026
स्थान: भोपाल

श्रीमती पुष्पा चंदेरिया एडवोकेट
सनद 2037/2020
बीएल /7, पैलेस ऑर्चर्ड, सर्वधर्म कोलार
भोपाल, मोबाइल 999456979

आईपीएल में 2026 में रॉयल चैलेंजर्स की दूसरी हार

जीत की पटरी पर लौटी डीसी, राहुल-स्टब्स के बाद डेविड मिलर भी चमके

बेंगलुरू, एजेंसी

केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी को छह विकेट से हराया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली ने चार विकेट पर 179 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल और स्टब्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी की, लेकिन आखिरी ओवर में डेविड मिलर ने विस्फोटक बल्लेबाजी कर मैच फिनिश किया।

दिल्ली को पिछले दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने आरसीबी के खिलाफ जोरदार वापसी की और जीत दर्ज करने में सफल रही। वहीं, मौजूदा सीजन में आरसीबी की ये दूसरी हार है। आरसीबी छह मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, जबकि पांच मैचों में तीसरी जीत दर्ज कर दिल्ली की टीम शीर्ष चार में पहुंच गई है। आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही है और उसे भुवनेश्वर कुमार ने शुरुआती झटके दिए। भुवनेश्वर कुमार ने पाथुम निसांका को आउट कर दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका जो एक रन बनाकर आउट हुए। फिर भुवी ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे करुण नायर को पांच गेंदों पर एक चौके की मदद से पांच रन बनाकर आउट किया। भुवनेश्वर यहीं नहीं रुके और उन्होंने समीर रिजवी के रूप में दिल्ली को तीसरा झटका दिया। दिल्ली ने इस तरह 18 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे।

स्टब्स का पचासा, मिलर ने किया मैच फिनिश

अक्षर के पवेलियन लौटने के बाद स्टब्स ने मोर्चा संभाला और एक छोर से टिके रहे। स्टब्स ने पचासा पूरा किया, लेकिन मैच अंत में फंस गया था। दिल्ली को आखिरी ओवर में जीत के लिए 15 रनों की जरूरत थी। आरसीबी ने रोमारियो शेफर्ड को गेंद सौंपी। मिलर और स्टब्स ने शुरुआती दो गेंदों पर एक-एक रन लिए। इसके बाद मिलर ने तीसरी और चौथी गेंद पर छक्का लगाया और पांचवीं गेंद पर चौका जड़कर टीम को जीत दिला दी। स्टब्स ने 47 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 60 रन बनाए, जबकि मिलर ने 10 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 22 रनों की नाबाद पारी खेली। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिए, जबकि क्रुणाल पांड्या को एक सफलता मिली।

सॉल्ट के अलावा आरसीबी के अन्य बल्लेबाज रहे फ्लॉप

इससे पहले, दिल्ली ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए विराट कोहली के साथ 31 गेंद में 52 रन और दूसरे विकेट के लिए देवदत्त पडिक्कल के साथ 29 गेंद में 47 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन 11वें ओवर में उनके आउट होने के बाद टिम डेविड के अलावा कोई भी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सका। आरसीबी के लिए सॉल्ट ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए, जबकि टिम डेविड ने 26 रनों की पारी खेली। विराट कोहली ने 19, देवदत्त पडिक्कल ने 18 और जितेश शर्मा ने 14 रन बनाए। दिल्ली की ओर से लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट लिए, जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली।

एसआरएच ने आईपीएल के बीच खेला बड़ा दांव

काव्या की टीम में धुरंधर तेज गेंदबाज गेराल्ड की हुई एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच ही सनराइजर्स हैदराबाद को दो बड़े झटके लगे थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ब्रायडन कार्स और डेविड पेन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। काव्या मारन की टीम ने ब्रायडन कार्स की जगह श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को अपने साथ जोड़ा था। अब सनराइजर्स हैदराबाद ने डेविड पेन के रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। डेविड पेन की जगह साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी ने ली है। डेविड पेन को टखने की लगातार परेशानी के कारण टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सिर्फ दो मैच खेले और दो विकेट लिए, लेकिन चोट की वजह से उनका सफर ज्यादा लंबा नहीं चल सका। ऐसे में हैदराबाद ने अब कोएट्जी जैसे आक्रामक और तेज गेंदबाज पर दांव लगाया है। साउथ अफ्रीका का यह पेसर 2 करोड़ रुपये में टीम से जुड़ा है। उनकी एंट्री सनराइजर्स हैदराबाद के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है।

गेराल्ड कोएट्जी की पहचान तेज रफ्तार और आक्रामक गेंदबाजी है। वह लगातार 145 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड से गेंद डाल सकते हैं और बल्लेबाजों को मि़डिल ओवर्स में परेशान करने की क्षमता रखते हैं। वह अब तक 4 टेस्ट, 14 ओडीआई और 18 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने कुल 67 विकेट लिए हैं।

कोएट्जी का आईपीएल करियर?

आईपीएल का अनुभव भी उनके पास भरपूर है। कोएट्जी मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटन्स के लिए खेल चुके हैं। आईपीएल में उन्होंने 14 मैचों में 15 विकेट लिए हैं और कुछ मौकों पर अपनी तेज गेंदबाजी से मैच का रुख बदला है। कोएट्जी सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं, बल्कि निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। वह बड़े शॉट खेलने में सक्षम हैं, जिससे टीम को अतिरिक्त गहराई मिलती है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अच्छी बात यह भी है कि टीम को घरेलू क्रिकेट से दो नए तेज गेंदबाज मिले हैं। प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा। दोनों युवा गेंदबाजों ने मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को मुश्किल में डाल दिया था। अब जब कोएट्जी जैसे अनुभवी गेंदबाज टीम से जुड़ गए हैं, तो सनराइजर्स हैदराबाद की पेस यूनिट और ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। हेड कोच डेनियल विटोरी के पास अब तेज गेंदबाजी में काफी विकल्प मौजूद हैं।इसके अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद की नजर पैट कमिंस की फिटनेस पर भी बनी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पीठ की चोट से उबर चुके हैं और उन्हें गेंदबाजी की अनुमति भी मिल गई है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट उन्हें जल्दबाजी में प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं करना चाहता।

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट: रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड टूटा...

मंधाना बनीं भारत की टॉप रन स्कोरर

डरबन, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना इंटरनेशनल क्रिकेट में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करती रही हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ डरबन में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में स्मृति ने 13 रन बनाए, लेकिन इस छोटी सी इनिंग्स के दौरान उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। स्मृति भारत की ओर से टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। इस मुकाबले में स्मृति मंधाना ने एक रन लेते ही स्मृति ने रोहित शर्मा को पछाड़ दिया, जिन्होंने टी20 इंटरनेशलन में भारत के लिए 4231 रन बनाए थे। स्मृति के नाम पर 161 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 30।31 की औसत से 4244 रन दर्ज हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 33 अर्धशतक लगाए हैं।

यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि स्मृति मंधाना ने यह रिकॉर्ड ऐसे खिलाड़ी को पीछे छोड़कर बनाया है, जिसने भारतीय टी20

क्रिकेट में लंबे समय तक दबदबा बनाया था। रोहित ने वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। रोहित शर्मा ने 159 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 32।05 के एवरेज से 4231 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और अर्धशतक शामिल रहे।

पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सकीं मंधाना

हालांकि, रिकॉर्ड बनाने के बाद स्मृति मंधाना अपनी पारी को बड़ा नहीं बना सकीं। वह अच्छी लय में दिख रही थीं और शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने की कोशिश की। स्मृति मंधाना ने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ पांच ओवर में 46 रन जोड़ दिए। स्मृति मंधाना की पारी का सबसे शानदार पल तब आया, जब उन्होंने क्लो ट्रायोन की गेंद पर बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर जोरदार छक्का लगायाय। उस शॉट में उनकी टाइमिंग और क्लास दोनों नजर आई। हालांकि, शेफाली वर्मा के आउट होने के बाद स्मृति भी ज्यादा देर टिक नहीं सकीं। अयाबोंगा खाका की गेंद पर कवर में कैच देकर वह आउट हो गईं।

आईपीएल में आज कोलकाता बनाम राजस्थान

5 मैच हार चुकी केकेआर को पहली जीत की तलाश, आरआर की वापसी की कोशिश

हैदराबाद, एजेंसी

आईपीएल 2026 में आज मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों की टूर्नामेंट में स्थिति बिल्कुल अलग है।एक तरफ राजस्थान रॉयल्स (आरआर) है, जो इस सीजन की मजबूत टीमों में से एक रही है, जबकि दूसरी ओर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है, जो अब तक अपनी पहली जीत का इंतजार कर रही है।

अब तक 6 मैच खेल चुकी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 5 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के लिए यह मैच साख बचाने जैसा है। दूसरी

ओर, राजस्थान रॉयल्स (आरआर) भी अपना पिछला मुकाबला हैदराबाद से हारकर यहां पहुंची है, ऐसे में वह भी वापसी की पूरी कोशिश करेगी।अब तक दोनों टीमों के बीच 31 मैच खेले गए हैं। इनमें केकेआर ने 16 और राजस्थान ने 12 मुकाबले जीते हैं। इसके अलावा दो मैच टाई रहे, जिन्हें राजस्थान ने जीता। वहीं, एक मैच रद्द हो गया था। पिछले साल खेले गए दोनों मुकाबले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने नाम किए थे।

रहाणे की कप्तानी और नायर की रणनीति पर उठे सवाल

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम अक्सर जीती हुई स्थिति से मैच हार रही है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कम हुआ है। केकेआर को अब तक एकमात्र अंक पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश के कारण धुले मैच से मिला है। कप्तान रहाणे के टॉस के फैसलों और हेड कोच अभिषेक नायर के टीम मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ नमी वाली पिच पर पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत साबित हुआ था और टीम 32 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी थी।।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

नीतू कपूर की 15 साल की नातिन का ग्रैंड डेब्यू

एक साथ दिखीं कपूर खानदान की तीन पीढ़ियां

नीतू कपूर को तो आपने स्क्रीन पर कई दफा धमाल मचाते देखा होगा, लेकिन इस बार नीतू अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर और नातिन समारा संग स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी. नीतू कपूर और कपिल शर्मा स्टारर फिल्म दादी की शादी से रिद्धिमा अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं. फिल्म का नंया गाना सेंटी रिलीज हो चुका है. गाने में नीतू कपूर की 15 साल की नातिन समारा की झलक देखकर फैंस खुशी से गदगद हो गए हैं.

%दादी की शादी% फिल्म से नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म का पोस्टर भी जारी हो चुका है। अब दादी की शादी का गानाा सेंटी रिलीज हुआ है, जो खास वजह से चर्चा में बना हुआ है। दरअसल, सेंटी गाने में कपूर परिवार की तीन जनरेशन एक साथ नजर आ रही हैं। गाने में नीतू कपूर के साथ उनकी लाडली बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी और 15 साल की नातिन

समारा की झलक भी देखी जा सकती है। नीतू कपूर बेटी रिद्धिमा और नातिन समारा संग धमाकेदार डांस करती हुई दिखाई दीं। फिल्म के गाने में समारा की झलक देखकर फैंस खुशी से गदगद हो गए हैं। कहना पड़ेगा समारा ने गाने की पूरी लाइमलाइट लूट ली है।

8 मई को रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि दादी की शादी फिल्म से कपूर खानदान की बेटी रिद्धिमा कपूर अपना बिग स्क्रीन डेब्यू करने जा रही हैं। वो अपने डेब्यू के लिए सुपर एक्साइटेड हैं। इससे पहले वो ओटीटी शो फैब्युलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स में नजर आ चुकी हैं। दादी की शादी की बात करें तो ये एक फैमिली एंटरटेनमेंट फिल्म है, जो 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फैंस का कहना है कि फिल्म सुपर-डूपर हिट होने वाली है। वहीं, दूसरे यूजर ने मजाकिया अंदाज में कहा- बस रणबीर की कमी है। नानी, बेटी, नातिन सब मौजूद हैं। वैसे आपकी क्या राय है?

रिलीज हुआ रानी और संजना की 'यूपी वाली, बिहार वाली' का ट्रेलर

बिहार या यूपी, किसकी होगी जीत

भोजपुरी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस रानी चटर्जी और संजना पांडेय जल्द ही अपकमिंग फिल्म %यूपी वाली, बिहार वाली% पोस्टर रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई हैं, लेकिन अब फिल्म का मजेदार ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

ट्रेलर में रानी चटर्जी और संजना पांडेय के बीच बिहार और यूपी राज्य को लेकर खींचतान जारी है। रानी चटर्जी जहां यूपी वाली हैं, तो संजना पांडेय बिहार वाली हैं। रानी अपने घर के लिए बिहार वाली देवरानी को पसंद करती है, लेकिन बोलचाल से लेकर पहनावे तक टोकती भी रहती है। शादी के बाद इन्हीं सब चीजों को लेकर दोनों के बीच जबरदस्त तकरार भी होती है। संजना सिंह यूपी की बुराई करती है, तो रानी बिहार की, लेकिन संजना के मां बनने की खुशखबरी से घर में सब कुछ बदल जाता है।

देवरानी-जेठानी के बीच प्यार पनपने लगता है, लेकिन एक हादसा पूरे घर की खुशियां छीन लेता है। संजना के बच्चे की मौत हो जाती है और वह मानसिक रूप से कमजोर हो जाती है। संजना को ठीक करने के लिए पूरा परिवार एक हो जाता है लेकिन आगे क्या होता है, उसके लिए

फिल्म के रिलीज का इंतजार करना होगा। यूजर्स को भी फिल्म का ट्रेलर काफी अच्छा लग रहा है और वे दोनों अभिनेत्रियों की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। यूपी वाली, बिहार वाली के निर्देशक मंजुल ठाकुर कर रहे हैं, जबकि फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा, प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी दिखेंगे। फिल्म की रिलीज डेट अभी साफ नहीं है लेकिन फिल्म को जल्द ही टीवी पर रिलीज किया जाएगा।

मेट्रो बाजार

टेक दिग्गज मेटा में बड़ी छंटनी की तैयारी! 10 प्रतिशत वैश्विक कर्मचारियों की जा सकती है नौकरी

नई दिल्ली । अमेरिकी टेक दिग्गज मेटा अगले महीने अपने ग्लोबल वर्कफोर्स में बड़ी कटौती करने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी कम से कम 10 प्रतिशत यानी करीब 8,000 कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, साल के दूसरे हिस्से में और छंटनी की योजना बनाई जा रही है, हालांकि उसके बारे में अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। मई में होने वाली पहली छंटनी में कंपनी अपने कुल कर्मचारियों का करीब 10 प्रतिशत घटा सकती है।

बताया जा रहा है कि यह फैसला काफी हद तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े विकास पर निर्भर करेगा। अगर योजना पूरी तरह लागू होती है, तो कंपनी अपने कुल कर्मचारियों का 20 प्रतिशत या उससे ज्यादा भी कम कर सकती है। ऐसे में करीब 16,000 कर्मचारियों की नौकरी पर असर पड़ सकता है, क्योंकि दिसंबर 2025 तक कंपनी में लगभग 79,000 कर्मचारी थे।

हालांकि, मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाली कंपनी ने अभी तक इस छंटनी की योजना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच, साल 2026 में दुनिया भर की टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला तेज हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की पहली तिमाही में ही 80,000 से ज्यादा नौकरियां जा चुकी हैं और पूरे साल में यह आंकड़ा 3 लाख से ज्यादा पहुंच सकता है।

बीईसीआईएल-सी-डीएसी के बीच अहम समझौता

एआई, 5जी, क्लाउड और नई टेक्नोलॉजी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सरकारी कंपनी ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड ने उन्नत तकनीकों और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग के साथ एक समझौता ज्ञापनपर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर उन्नत तकनीकों, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम करेंगी। इसमें संयुक्त प्रोजेक्ट, कंसल्टेंसी और तकनीकी सहयोग के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , मशीन लर्निंग , इंटरनेट ऑफ थिंग्स , साइबर सिक्योरिटी, 5जी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीकों पर समाधान विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा, यह साझेदारी अलग-अलग सेक्टर में टर्नकी सॉल्यूशंस तैयार करने, नई तकनीकों के ट्रांसफर और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के व्यावसायीकरण को भी बढ़ावा देगी। इस समझौते में स्किल डेवलपमेंट और वर्कफोर्स को अपस्किल करने पर भी जोर दिया गया है, ताकि तकनीकी क्षमताओं को मजबूत किया जा सके। इस मौके पर बीईसीआईएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके मुरली ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी की उन्नत तकनीकों और डिजिटल बदलाव की क्षमता को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थाओं की ताकत का सही इस्तेमाल कर देश के डिजिटल विकास में अहम योगदान दिया जाएगा। यह साझेदारी इनोवेशन को बढ़ावा देने, नई तकनीकों को तेजी से अपनाने और भारत में मजबूत तथा भविष्य के लिए तैयार डिजिटल इकोसिस्टम बनाने में मदद करेगी, जो सरकार के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप है। इस एमओयू पर बीईसीआईएल के डायरेक्टर सौरव चौहान और सी-डीएसी के रजिस्ट्रार निरंजन वैष्णव ने हस्ताक्षर किए, जिनकी मौजूदगी में कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा 2026 शुरू

अक्षय तृतीया पर खुले गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट

देहरादून। आस्था, परंपरा, पर्यटन और प्रशासनिक तैयारियों के संगम के बीच उत्तराखंड में बहुप्रतीक्षित चारधाम यात्रा 2026 की शुरुआत हो गई है। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जहां गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, वहीं इससे पहले पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत मां गंगा और मां यमुना की डोलियां अपने शीतकालीन प्रवास से धामों के लिए रवाना हुईं। एक ओर धार्मिक उत्साह चरम पर है, तो दूसरी ओर सरकार और प्रशासन यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक इंतजामों में जुटे हैं। इस बीच पहाड़ों में उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ती आवाजाही ने यात्रा मार्गों पर हलचल भी तेज कर दी है।

मां गंगा की डोली मुखबा से रवाना

चारधाम यात्रा की पारंपरिक शुरुआत के तहत मां गंगा की भोग मूर्ति की डोली उनके शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव से गंगोत्री धाम के लिए रवाना की गई। यह डोली भैरों घाटी में रात्रि विश्राम के बाद गंगोत्री पहुंचेगी, जहां विधि-विधान से मां गंगा की स्थापना होगी। इस परंपरा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रास्ते में जुटते हैं।

न्यूज विंडो

चीतल को कुत्तों से बचाया, फिर मारकर खा गए गांव वाले, पांच गिरफ्तार

रायगढ़ । जंगल से भटककर गांव के करीब पहुंचे चीतल का शिकार कर पांच ग्रामीणों ने मांस का बंटवार कर लिया। वन विभाग की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना रायगढ़ वन मंडल क्षेत्र का है।शहर से 15 किलोमीटर दूर देलारी गांव में 16 अप्रैल की दोपहर पानी पीने पहुंचे चीतल पर कुत्तो ने हमला कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने चीतल को बचाया। बाद में आत्माराम राठिया, मयाराम राठिया, हरिचरण साव, तरूण साव, के अलावा मोतीलाल अगरिया ने चीतल का शिकार कर मांस बांट लिया। वन विभाग की छापामारी वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के घरों में छापामार कार्रवाई की। उनके घर से सब्जी जब्त कर ग्रामीणों से पूछताछ की। उन्होंने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि कुत्ते की हमले से चीतल की मौत हो गई थी जिसके बाद तालाब के पास ही मांस का बंटवारा कर लिया। पांचों आरोपितों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 का उल्लंघन पाये जाने पर धारा 39, 50, 51 के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

इंदौर में सीएनजी कार में लगी आग 5 लोगों ने बाहर कूदकर बचाई जान

इंदौर। चलते-चलते कार अचानक आग का गोला बन गई। कार में पांच लोग बैठे हुए थे। ड्राइवर ने धुआं देखकर कार रोक ली और पूरे परिवार को बचा लिया। घटना से परिवार सहमा हुआ है। जरा-सी देर होने पर बड़ा हादसा हो जाता। कार में सीएनजी कनेक्शन था। एसीपी पराग सैनी के अनुसार घटना बाम्बे अस्पताल चौराहा की है। तेजपुरा (देवास) निवासी जयसिंह की कार में आग लगी है। जयसिंह कार से मां कृष्णा, पत्नी स्नेहा, बेटी केशवी और बुआ के बेटे अनिमय को लेकर इंदौर आया था। शाम को उसने ओल्ड पलासिया स्थित डाक्टर से चेकअप करवाया और वापस देवास की ओर जाने लगा। जैसे ही ट्रैफिक सिग्नल के पास पहुंचा, बोनट से धुआं निकलते हुए देखा और कार रोक दी। जयसिंह कार से नीचे उतरा ही था कि आग की लपटें उठने लगीं।जयसिंह ने तुरंत परिवार को बाहर निकाला और दूर खड़ा हो गया। कुछ ही देर में कार आग का गोला बन गई। एसीपी के मुताबिक पुलिस ने ट्रैफिक रोका और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

तीन भाइयों ने बहन को पीटकर मार डाला, प्रेमी ने भागकर बचाई जान

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के अंदर अपनी बहन को प्रेमी के साथ देख तीन भाइयों ने उसे लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटकर मार डाला। वहीं युवक अधमरी हालत में जान बचाकर भाग निकला। बहन के शव को भाइयों ने पिकअप से गोरखपुर जनपद के सहजनवा थाना क्षेत्र में ले जाकर जला दिया। पुलिस ने तीनों भाइयों को शनिवार को हिरासत में ले लिया, जिनमें 15 साल का एक बाल अपचारी है।बताया जा रहा है कि गांव का ही एक युवक युवती से प्रेम करता था।रात वह युवती से मिलने उसके घर चला गया। उस समय युवती की मां और भाई रिश्तेदारी में गए थे। रात में रिश्तेदारी से लौटने के बाद एक भाई ने बहन को युवक के साथ देख अपने दो और भाइयों को बुला लिया। इसके बाद दोनों को कमरे में बंद कर बाइक के शॉकर की रॉड से पीटना शुरू कर दिया। इसमें बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मारपीट से अधमरा हुआ युवक जान बचाकर भाग निकला।अगली सुबहतीनों भाई, बहन का शव पिकअप में लादकर उसे गोरखपुर जिले के थाना सहजनवा क्षेत्र के सिसई घाट ले गए। बिना किसी को बताए शव को जला दिया। पहले मामले में मारपीट-धमकी का केस दर्ज हुआ था। एसपी तक मामला पहुंचा तो उन्होंने तह तक जाने के निर्देश दिए।

महिलाओं के साथ हुआ विश्वासघात, बांकुड़ा में बोले पीएम मोदी

टीएमसी नहीं चाहती कि बंगाल की बेटियां एमपी और एमएलए बनें

विष्णुपुर, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के विष्णुपुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'हर जनसभा पहले से ज़्यादा बड़ी होती जा रही है। मुझे बताया गया कि लोग 2-3 घंटे से बैठे हुए हैं। यह माहौल, यह प्यार, यह उत्साह, यह जोश, यह विरोध भी उस बेरहम सरकार के खिलाफ गुस्से का प्रतीक है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'क्ख्क्ककी पहचान महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की सुरक्षा है। इसीलिए, देश के हर राज्य में बहनें और बेटियां क्ख्क्कको सबसे ज्यादा आशीर्वाद देती हैं। हम एक विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की भूमिका का विस्तार करना चाहते हैं और ज्यादा से ज्यादा बेटियों को राजनीति में भी आने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं। आपने देखा कि संसद में क्या हुआ। ञ्स्ष्ट ने एक बार फिर बंगाल की बहनों के साथ विश्वासघात किया है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'बंगाल की महिलाएं 33% आरक्षण चाहती थीं। मोदी ने इसे सुनिश्चित किया। बंगाल की महिलाएं चाहती थीं कि इसे 2029 से लागू किया जाए। मोदी ने इसके लिए भी प्रयास किए। लेकिन ञ्स्ष्ट नहीं चाहती थी कि बंगाल की बेटियां स्क्रऔर स्क्कबनें, क्योंकि बंगाल की बेटियां उनके 'महा जंगल राज' को चुनौती दे रही थीं। इसलिए, ञ्स्ष्ट ने कांग्रेस के साथ मिलकर साजिश रची और महिलाओं को 33% आरक्षण देने वाले कानून को पारित होने से रोक दिया।'

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का ताबड़तोड़ एक्शन, कोलकाता के डीसीपी के घर पर छापा

कोलकाता। बंगाल में चुनावी माहौल में ईडी का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। कोयला तस्करी मामले में ईडी की टीम कोलकाता पुलिस के डीसीपी शांतनु सिन्हा बिस्वास के ठिकानों पर छापा मारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक ईडी की टीम शांतनु के अलावा एक और व्यवसायी जय कामदार के घर पर भी छापेमारी कर रही है। शांतनु बिस्वास के दो ठिकानों और जय कामदार के एक ठिकाने पर छापेमारी जारी है। शांतनु के बेहाला स्थित आवास पर ताला लगा हुआ था और गेट के अंदर के कुत्ता मौजूद था। जिसके चलते ईडी की टीम बाहर ही खड़ी रही। कोयला तस्करी की जांच में शांतनु सिन्हा बिस्वास का भी नाम आया था। इसके बाद ईडी ने उन्हें तलब भी किया था।

अनूपपुर जिले के ठाढ़पाथर की घटना

अचानक पलट गया ट्रैक्टर, चार लोगों की नीचे दबने से मौत

अनूपपुर, एजेंसी

जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ से लगभग 30 किलोमीटर दूर थाना करनपठार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत ठाढ़पाथर गांव में सुबह एक ट्रैक्टर पलट जाने से इंजन के नीचे दब जाने से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ड्राइवर सहित तीन अन्य मजदूर हैं जो पतधर गांव के निवासी हैं।

जानकारी अनुसार यह घटना सुबह करीब 6 बजे की है। जानकारी अनुसार मजदूरों को लेकर क्रशर जा रही एक ट्रैक्टर ट्राली तालाब के पास अनियंत्रित होकर सड़क छोड़कर खेत की तरफ खाई में जाकर पलट गई। यह घटना ठाढपाथर तलाब से 100 मीटर पहले हुई। बताया गया ड्राइवर तेज गति से जा रहा था।

बचने का नहीं मिला मौका

नियंत्रण हटने की वजह से ट्रैक्टर सड़क छोड़कर पलट गया था। अचानक हुए इस हादसे में चारों को बचने का मौका नहीं मिल सका था और चारों इंजन के नीचे आकर दब गए, जिससे इनकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के ग्रामीण जानकारी लगने पर घटना स्थल पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मृतकों के नाम प्रकाश सिंह, अंकुश सिंह नानू सिंह और बृजेश सिंह हैं, सभी की उम्र 25 से 30 वर्ष के करीब है। ट्रैक्टर अंकुश चला रहा था।

कमला का ट्रंप पर हमला, कहा -एपस्टीन विवाद से ध्यान भटकाने की चाल

वाशिंगटन, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब जिद और ताकत की खतरनाक लड़ाई में बदल चुका है, जहां हालात हर दिन और विस्फोटक होते जा रहे हैं। एक महीने से ज्यादा समय तक चले अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ टकराव ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया। अब इसी उथल-पुथल के बीच अमेरिका की राजनीति भी इस आग में झुलसती नजर आ रही है। इसका बड़ा कारण है कि जारी तनाव के बीच अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला बोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

हैरिस ने अपने बयान में कहा कि ट्रंप को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ सैन्य टकराव में खींच लिया है। बढ़ते तनाव के समय अमेरिकी उपराष्ट्रपति के इस बयान ने न सिर्फ अमेरिकी सत्ता में हलचल मचा दी है, बल्कि वैश्विक कूटनीति में भी नई बहस और तनाव को जन्म दे दिया है, जिससे हालात और ज्यादा विस्फोटक बनते जा रहे हैं।

वेदांता ब्लास्ट में मरने वालों का आंकड़ा 24 हुआ

रायगढ़। वेदांता पावर प्लांट हादसे में एक और घायल की मौत हो गई है। झारखंड निवासी मनीष कुमार, जो गंभीर रूप से घायल थे, ने रायगढ़ के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद मृतकों की संख्या में और इजाफा हो गया है। रायगढ़ जिले के अलग-अलग अस्पतालों में फिलहाल 9 घायलों का उपचार जारी है। इनमें से तीन की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी हुई है, लेकिन हर गुजरते पल के साथ परिजनों की चिंता और बेचैनी बढ़ती जा रही है। जिले के जिंदल अस्पताल में 6 मरीज भर्ती हैं, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के बाहर परिजन अपने

अक्षय तृतीया: 15-16 साल की बेटियों के विवाह भी समझाइश से टले

इंदौर-जबलपुर में 4 बाल विवाह रोके

इंदौर, एजेंसी

अक्षय तृतीया पर इंदौर में प्रशासन ने बाल विवाह की तीन अलग-अलग कोशिशों को समय रहते रोक दिया। उड़नदस्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नाबालिग बालिकाओं के विवाह निरस्त कराए गए। परिजनों को कानून की जानकारी देकर समझाइश दी गई। इधर, जबलपुर में भी 1 बाल विवाह को रोका गया।

खजराना थाना क्षेत्र की कॉलेज कॉलोनी में शनिवार को एक बालिका की शादी की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। दस्तावेजों की जांच में बालिका की उम्र 17 साल 4 महीने पाई गई। अधिकारियों ने परिवार को समझाइश दी, जिसके बाद विवाह टाल दिया गया। उज्जैन के दूल्हे पक्ष को सूचना देने पर बारात भी कैंसिल कराई गई।

न्यू गोविंद कॉलोनी में 15 वर्षीय बालिका की शादी टली: न्यू गोविंद कॉलोनी में 15 वर्षीय बालिका की शादी की तैयारी की शिकायत पर टीम पहुंची। परिवार ने शुरुआत में इंकार किया, लेकिन जांच में सगाई की पुष्टि हुई।

समझाइश के बाद परिजनों ने बालिग होने तक विवाह टालने की सहमति दी।

भमोरी क्षेत्र में 16 वर्षीय बालिका का विवाह निरस्त: भमोरी क्षेत्र में हेल्पलाइन पर मिली सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई की। जांच में बालिका की उम्र 16 साल पाई गई। माता-पिता को कानूनी प्रावधान समझाने के बाद विवाह निरस्त कर दिया गया।

ट्रम्प के दुलारे मुनीर को लेकर उठते सवाल

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के बीच पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर की भूमिका पर दुनिया में ही नहीं पाक और अमेरिका में भी कई सवाल उठ रहे है । खुद को शांति का मसीहा बताने पर आमादा मुनीर आखिर ट्रम्प के इतने लाड़ले और दुलारे क्यों हैं? हाल ही में इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के बाद मुनीर खुद को दोनों देशों के बीच 'शांतिदूत' के तौर पर दिखाने में लगे हैं, लेकिन उनकी इस भूमिका पर सवाल भी उठने लगे हैं। पिछले हफ्ते इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के पहले दौर की नाकामियों के बावजूद अमेरिका के दुश्मनों से मुनीर की दोस्ती कइयों को खटक रही है ।

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, आसिम मुनीर के ईरान के साथ रिश्ते पुराने हैं। जब वह 2016-17 में पाकिस्तान के मिलिट्री इंटेलिजेंस प्रमुख थे, उसी दौरान उन्होंने ईरानी सेना, खुफिया एजेंसियों और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स आईआरजीसी के साथ संपर्क बनाए । रिपोर्ट में रिटायर्ड पाकिस्तानी जनरल अहमद सईद के हवाले से कहा गया है कि मुनीर ईरान की सैन्य और खुफिया लीडरशिप के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं। उनके संबंध आईआरजीसी के पूर्व कमांडरों कासिम सुलेमानी और हुसैन सलामी तक से बताए गए हैं। इसी आधार पर अब उनकी मध्यस्थ की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं ।

फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के सीनियर फैलो बिल रोगियो ने कहा है कि अमेरिका को पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने मुनीर के आईआरजीसी से रिश्तों को 'रेड फ्लैग' बताया। रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को आसिम मुनीर ने ईरान का तीन दिन का दौरा भी पूरा किया, जिसमें उन्होंने वहां के शीर्ष नेताओं और वार्ताकारों से मुलाकात की। पाकिस्तान सेना के बयान के मुताबिक यह दौरा अमेरिका-ईरान वार्ता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था।

पाकिस्तान की मदद लेने को मजबूर अमेरिकी राष्ट्रपति

वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान फिलहाल डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार के लिए मैसेंजर बना हुआ है। रणनीतिक मामलों के जानकार ब्रह्मा चेलानी ने अमेरिका के इसी दोगलेपन की धज्जियां उड़ाते हुए पाकिस्तान के पुराने पाप और वॉशिंगटन की हिप्पोक्रेसी को उजागर किया है। चेलानी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पक रही खिचड़ी के बारे में विस्तार से बात की है। उन्होंने लिखा, 'अमेरिका की पश्चिम एशिया नीति को लेकर एक दिलचस्प और विरोधाभासी स्थिति सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प,जो ईरान पर दबाव बनाने के लिए लगातार आक्रामक रुख अपनाते रहे, अब उसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए पाकिस्तान की मदद लेने को मजबूर दिख रहे हैं। करीब 40 दिनों तक जारी हवाई हमलों और दबाव के बावजूद ईरान को उसके शुरुआती परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के लिए राजी नहीं किया जा सका। ट्रम्प सरकार यह भी भूल बैठी है कि जिस पाकिस्तान के जरिये वह शांति के रास्ते तलाश रही है , यह वही देश है जिसके सैन्य ठिकाने एब्टाबाद में अमेरिकी सील कमांडो ने पनाह लिए ओसामा बिन लादेन को मारा था । यह वही पाकिस्तान है जिसके परमाणु बम के जनक अब्दुल कादिर पर एटम बम टेक्नोलॉजी गुप्त रूप से कई देशों और आतंकी संगठनों को देने के आरोप लग चुके हैं । ऐसे देश के सैन्य प्रमुख के जरिए ईरान को परमाणु डस्ट यूएसए को सौंपने के लिए कैसे राजी किया जा सकता है

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564